मुंबई, ठाणे, नवी मुंबई, पनवेल, रायगड़, उल्हासनगर, कल्याण एवं अंबरनाथ का
लोकप्रिय हिंदी दैनिक
उल्हास विकास
■ वर्ष : 42 ■ अंक : 215 ■ शनिवार, 16 नवंबर 2024 ■ पृष्ठ 4
3 रुपए
/ulhasvikas संपादक - हीरो अशोक बोधा (BMM, L.LB.) Mobile.:- 9822045566
epaper.ulhasvikas.com

कालानी ही विकास करने में सक्षम - सुमित चक्रवर्ती

आघाडी उम्मीदवार ओमी कालानी के समर्थन में सभी व्यापारी

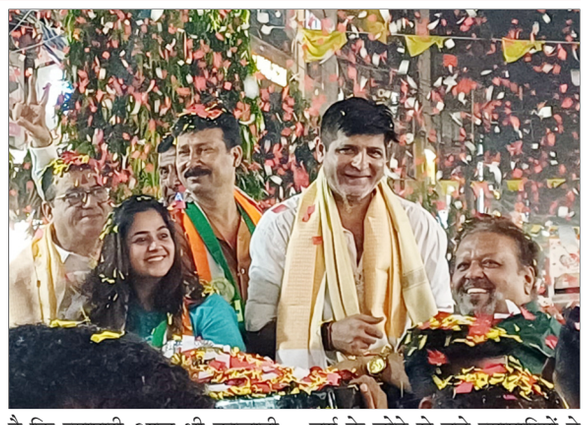

उल्हासनगर। उल्हासनगर शहर के सबसे बड़ी व्यापारी संघटना उल्हासनगर ट्रेड एसोसिएशन के अध्यक्ष व उद्योगपति सुमित चक्रवर्ती ने कहा कि उल्हासनगर शहर व्यापारियों का शहर है और व्यापारियों को हमेशा से ही कालानी परिवार का सहयोग मिलता आ रहा है। व्यापारियों ने कई नेताओं को आजमाया है लेकिन जो विकास कार्य अथवा अन्य समाज को कोई भी कार्य होता है उसे करने में कालानी से सक्षम और कोई नहीं है। हाल ही में मुख्य बाजारों से निकाली गई रैली में व्यापारियों का जो प्यार उभरकर आया है वो सबूत है कि व्यापारी आज भी कालानी को ही अपना नेता मानते हैं। मेरी यूटीए की टीम के साथ शहर के हर वर्ग के छोटे से बड़े व्यापारियों ने कालानी को ही अपना समर्थन देने का वचन दिया है।

कल्याण पूर्व में त्रिकोणीय लड़ाई

कल्याण पूर्व विधानसभा चुनाव 2024

- उल्हासनगर 4 निर्णायक भूमिका में
- बोडारे व सुलभा के बीच कांटे की टक्कर
- 17 उम्मीदवार चुनावी मैदान में

कल्याण. कल्याण पूर्व विधानसभा क्षेत्र से महायुति की उम्मीदवार बीजेपी ने सुलभा गणपत गायकवाड को उतारा है जबकि उनके सामने शिवसेना (उद्धव ठाकरे) के धनंजय बोडारे मैदान में हैं. वहीं शिवेसना (एकनाथ शिंदे) के पदाधिकारी रहे महेश गायकवाड़ ने बागी तेवर दिखाते हुए चुनाव में अपना पूरा जोर लगाए हुए हैं. जिसकी वजह से कल्याण पूर्व में चुनावी समर त्रिकोणीय बन गया है. लेकिन कल्याण पूर्व में उल्हासनगर कैम्प 4 निर्णायक भूमिका अदा करेगा क्योंकि उल्हासनगर महानगरपालिका क्षेत्र के कई वार्डों का समावेश है जिसमें वार्ड क्र. 23 से 26, 46 तथा वार्ड 52 से वार्ड 55 तक समावेश है। यहां बोडारे स्थानीय पूर्व नगरसेवक होने के कारण उनकी स्थित मजबूत है तो वहीं कल्याण पूर्व क्षेत्र में गणपत गायकवाड़ के कार्य से लोग प्रभावित है।

कल्याण पूर्व विधानसभा सीट पर शुरू से ही गणपत गायकवाड़ का कब्जा रहा है. अब की बार 2024 में भारतीय जनता पार्टी ने गणपत गायकवाड़ की पत्नी सुलभा गायकवाड़ उम्मीदवार बनाया है. उनकी प्रचार रैली में भाजपा के सभी बड़े नेता शामिल हो रहे हैं. उप मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस भी उनके समर्थन में प्रचार कर चुके हैं. वहीं शिवसेना उबाठा के उम्मीदवार धनंजय बोडारे की पकड़ उल्हासनगर 4 में तो मजबूत है, लेकिन कल्याण पूर्व के इलाके में उनकी मौजूदगी कम दिखाई दे रही हैं. इससे अलग शिवसेना के पूर्व पदाधिकारी और कल्याण पूर्व के नगरसेवक महेश गायकवाड़ ने बागी तेवर दिखाते हुए निर्दलीय रूप से चुनाव मैदान में डटे हुए हैं. गायकवाड़ को पार्टी से बगावत करने की वजह से पार्टी से निष्कासित कर दिया गया था. महेश गायकवाड़ की जगह नीलेश शिंदे को कल्याण पूर्व का शिवसेना अध्यक्ष नियुक्त किया गया है. महेश गायकवाड़ ने भी अपने प्रचार में पूरा जोर लगाया हुआ है. महेश गायकवाड़ का जमीनी स्तर पर लोगों में अच्छी पकड़ है, जो सुलभा गायकवाड़ की चिंता का कारण बन सकती है. इस क्षेत्र में कुल 17 उम्मीदवार चुनावी मैदान में है लेकिन मुख्य लड़ाई इन तीनों के बीच ही देखने को मिल रही है। वंचित आघाडी से पावशे व प्रहार जनशक्ति से शैलेश तिवारी भी इस लड़ाई में जोरदार प्रचार कर रहे हैं।

■ गणपत गायकवाड़ की काफी लोकप्रियता

गणपत गायकवाड़ ने इस क्षेत्र में 2009 से अपने राजनीतिक करियर की शुरुआत की. 2009 और 2014 में उन्होंने स्वतंत्र उम्मीदवार के रूप में चुनाव लड़ा और दोनों बार जीत हासिल की. 2019 के विधानसभा चुनाव में, गणपत गायकवाड़ ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के उम्मीदवार के रूप में चुनाव लड़ा. इस बार उन्होंने 60,332 वोट प्राप्त किए और उनके निकटतम प्रतिद्वंद्वी, निर्दलीय उम्मीदवार धनंजय बाबूराव बोडारे, को 48,075 वोट मिले. 2014 के विधानसभा चुनाव में, गणपत गायकवाड़ ने निर्दलीय उम्मीदवार के रूप में 36,357 वोट प्राप्त किए, जबकि शिवसेना के गोपाल रामचंद्र लांडगे को 35,612 वोट मिले. इस चुनाव ने यह साबित किया कि क्षेत्र में गायकवाड़ की लोकप्रियता काफी मजबूत थी, जिससे उन्हें स्वतंत्र उम्मीदवार के रूप में जीत हासिल करने में सहायता मिली.

■ कल्याण पूर्व सीट के जातीय समीकरण

सामान्य कैटेगरी की इस सीट पर सामान्य और ओबीसी वोटर्स का दबदबा रहा है। वहीं, 2019 चुनाव के आंकड़ों के अनुसार यहां कुल 3 लाख 42 हजार 263 वोट में करीब 40 हजार एससी वोटर्स की भागीदारी है। जबकि 14 हजार एसटी और 10 हजार के करीब मुस्लिम वोटर्स भी हैं। इस सीट पर करीब 80 फीसदी शहरी वोटर्स है। ऐसे में यहां के मुद्दे भी शहर से जुड़े होते हैं। जिनमें बिजली, पानी, सड़क और नाली शामिल है।

■ 2024 में कौन भारी?

कल्याण पूर्व विधानसभा सीट पर पिछले तीनों चुनावों के वोटिंग पैटर्न और रिजल्ट्स पर नज़र डालें तो यहां एक बार फिर से गणपत गायकवाड़ की पत्नी सुलभा गायकवाड़ ही मैदान मारते हुए दिखाई दे रही हैं। लेकिन सियासत में जनता को ही जनार्दन कहा जाता है। वह कब किसका समीकरण बिगाड़ दे, कब किसकी कुर्सी उखाड़ दे और किसकी ताजपोशी कर दे इसका सटीक अंदाजा लगा पाना बेहद मुश्किल है। फिर भी देखना दिलचस्प होगा कि यहां इस बार कौन बाजी मारेगा।

कुमार आयलानी के प्रचार की कमान संभालेंगे इंदौर के सांसद शंकर लालवानी

■ 4 दिन करेंगे आयलानी का प्रचार

उल्हासनगर. सिंधी समाज के एकमात्र सांसद शंकर लालवानी शुक्रवार को उल्हासनगर पहुंचे और महायुति के उम्मीदवार कुमार आयलानी ने उनका जोरदार स्वागत किया। सिंधी समाज के लोकप्रिय भाजपा सांसद शंकर लालवानी चार दिनों तक शहर में रहकर आयलानी का प्रचार करेंगे। उल्हासनगर में भाजपा की कमान शंकर लालवानी के संभालने से वह गेम चेंजर की भूमिका में नजर आएंगे। चार दिनों के प्रचार के दौरान वह सिंधी समुदाय को भाजपा में रहने के फायदे के बारे में बताएंगे और केंद्र व राज्य सरकार सभी शहरवासियों के लिए कितनी फायदेमंद है इस पर भी चर्चा करेंगे।

यूनाइटेड रिपब्लिकन पार्टी व लोकजनशक्ति पार्टी ने भाजपा को समर्थन

लोकजनशक्ति पार्टी और यूनाइटेड रिपब्लिकन पार्टी द्वारा उल्हासनगर में भाजपा को बिना शर्त समर्थन देते हुए 20 नवंबर को होने जा रहे चुनाव में बिना शर्त समर्थन दिया गया है। शुक्रवार को यूनाइटेड रिपब्लिकन पार्टी के तानसेनभाई ननावरे तथा केंद्रीय अन्न प्रक्रिया मंत्री चिराग पासवान की पार्टी लोकजनशक्ति पार्टी के कलीमुद्दीन शेख उर्फ चांद शेख ने पूर्व महापौर मीना आयलानी के हाथों में समर्थन पत्र देते हुए यह वादा किया कि उनकी पार्टी के पदाधिकारी व कार्यकर्ता पूरी शक्ति के साथ भाजपा महायुति के उम्मीदवार कुमार आयलानी को विजयी बनाने के लिए मेहनत करेंगे। भाजपा की पूर्व महापौर मीना आयलानी द्वारा दोनों पार्टियों के सभी नेताओं का समर्थन देने के लिए आभार व्यक्त किया।

प्रभात फेरी में शामिल हुए गंगोत्री

अपक्ष उम्मीदवार भारत गंगोत्री ने संगत में किया प्रसाद का वितरण

उल्हासनगर। उल्हासनगर शहर में थाहिरिया सिंह दरबार व अमृत विला ट्रस्ट द्वारा आयोजित गुरु पर्व पर विशाल प्रभात फेरी में शामिल होने राकांपा नेता भारत राजवानी गंगोत्री पहुंचे जहां थाहिरिया सिंह दरबार के प्रमुख जसकिरत सिंह भाईसाहब व अमृत विला ट्रस्ट के रिंकू भाई साहब का आर्शिवाद लेकर आयी हुई हजारों की संख्या में संगत में प्रसाद का वितरण भी किया। उल्हासनगर विधानसभा क्षेत्र से अपक्ष उम्मीदवार के रूप में चुनाव लड़ रहे गंगोत्री ने प्रभात फेरी के दौरान गुरु साहब के दर्शन किए और शहर की सुख समृद्धि के साथ विजयश्री का आर्शिवाद भी इस महान पर्व पर लिया। गंगोत्री की टीम के सभी सदस्यों ने संगत में प्रसाद का वितरण किया और संगत ने भी उन्हें प्रसाद रुपी आर्शिवाद भी दिया है। ज्ञात हो कि अपक्ष उम्मीदवार गंगोत्री का प्रचार किसी राजनैतिक उम्मीदवार से कम नहीं देखा जा रहा है। उन्होंने उल्हासनगर विधानसभा क्षेत्र में अब अपनी जगह पूरी तरह बना ली है और वो बस कुछ ही कदम दूर हैं इस फाईनल मुकाबले में बल्लेबाजी करने के लिए जहां उन्होंने पहले से ही कहा है कि वो भ्रष्टाचार और गुंडागर्दी को शहर की बाउंड्री से बाहर करेंगे।

कल्याण पूर्व में सुलभा गायकवाड़ की प्रचार रैली में उमड़ा महिलाओं का जनसमूह

कल्याण. 142 कल्याण पूर्व विधानसभा चुनाव के लिए प्रचार लगभग अंतिम चरण में पहुंच गया है। जहां महायुति भाजपा की उम्मीदवार सुलभा गणपत गायकवाड़ की प्रचार रैली में उनको समर्थन करने आयी महिलाओं का जनसमूह उमड़ पड़ा। गणपत गायकवाड़ द्वारा हमेशा से ही जनसेवा की जाती है जिसके फलस्वरूप आज प्रचार रैली में ऐसी भीड़ देखने को मिल रही है। कल्याण पूर्व के तिसाई हाउस से रमाबाई अंबेडकर चौक, उटेकर सदन, बौद्ध विहार, आनंदवाड़ी, पुना लिंक रोड, शिवाजी कॉलोनी के माध्यम से एक भव्य अभियान दौर का आयोजन किया गया था। इस प्रचार रैली में मौजूद भारी भीड़ को देखकर ऐसा लग रहा था मानो यह 23 नवंबर को बीजेपी-महागठबंधन की जीत का रिहर्सल हो रहा है। 142 कल्याण पूर्व विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र से महायुति की आधिकारिक उम्मीदवार श्रीमती सुलभताई गणपत गायकवाड़ को आम नागरिकों और मुख्य रूप से महिलाओं की प्रतिक्रिया अकल्पनीय है। भाजपा जिला अध्यक्ष नाना सूर्यवंशी, शिवसेना विधान सभा संगठक रमाकांत देवलेकर, उप संगठक राधिका गुप्ते, परिवहन सभापति सुभाष म्हस्के, कल्याण पूर्व मंडल अध्यक्ष संजय मोरे, महिला मोर्चा अघाड़ी अध्यक्ष सविता देशमुख, नगरसेवक नीलेश शिंदे, नगरसेविका संगीता गायकवाड, इंदिरा तारे भी शामिल थे।

कार्तिकी एकादशी पर बिड़ला मंदिर में की गई पूजा

उल्हासनगर. प्रति पंढरपुर के नाम से मशहूर शहाड के बिड़ला मंदिर में हाल ही में कार्तिकी एकादशी के अवसर पर पूजा का आयोजन किया गया था. इस अवसर पर सैकड़ों भक्तों ने विठु माऊली के दर्शन किये. इस कार्यक्रम में प्रमुख अतिथि के रूप में बी.के. बिड़ला कॉलेज (कल्याण) के निदेशक डॉ. नरेशचंद्र अपनी पत्नी के साथ उपस्थित थे. सेंचुरी रेयॉन कंपनी के यूनिट हेड दिग्विजय पांडे, एच.आर. हेड श्रीकांत गोरे, आदि गणमान्य लोग मुख्य रूप से उपस्थित थे यह जानकारी सेंचुरी रेयॉन कंपनी के जनसंपर्क अधिकारी मेहुल लालका ने पत्रकारों से बातचीत करते हुए दी.

अंबरनाथ में प्रदीप पाटिल पर अपराध दर्ज

- रोहित प्रजापति ने अपराध दर्ज कराया
- अंबरनाथ में चुनावी माहौल गरमाया

⏭ यूसुफ शेख

अंबरनाथ. अंबरनाथ के पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष प्रदीप पाटिल ने ब्लॉक कांग्रेस के सचिव रोहित प्रजापति को जान से मारने की धमकी दी है. ये मामला 31 अगस्त 2024 का है, लेकिन रोहित ने पुलिस में शिकायत 14 नवंबर 24 को की है.

उन्होंने इसका कारण पुलिस को ये बताया है कि इस चुनाव के माहौल में उनकी जान को खतरा बढ़ गया है. शिकायत के अनुसार प्रदीप पाटिल ने पक्षांतर किया तो उन्हें कांग्रेस से निलंबित किया गया है. लेकिन वह और उनकी पत्नी कांग्रेस का कार्य कर रहे हैं. वह प्रदीप के साथ नहीं गए, इसलिए प्रदीप को रोहित पर गुस्सा है. 31 अगस्त को वह और उसकी पत्नी-माता घर पर थे. प्रदीप पाटिल घर पर आए और मुझे, पत्नी को गाली गलौज करने लगे और मुझसे कहा, तेरे को क्या लगता है मैं तेरे को छोड़ दूंगा. मैं तुझे खल्लास कर दूंगा. तू किधर भी जा तेरे को ढूंढ कर काट डालूंगा. घर छोड़कर चला जा नहीं तो मेरे लड़कों के हाथों तुझे खतम कर दूंगा. गालीगलौज, दमदाटी करके मेरी माता और पत्नी को लज्जा आएगी, ऐसा हाथ बताकर कृत्य किया. मैं डर गया था. मेरे लड़के, पत्नी, माता डर गए थे. मैं तनाव में था इसलिए मैं पुलिस स्टेशन शिकायत करने नहीं गया. अभी चुनाव चल रहे हैं. प्रदीप पाटिल वैसा कृत्य कर सकते हैं. इसीलिए आज शिकायत लिखाने पुलिस स्टेशन आया हूं. ऐसा रोहित ने पुलिस को बताया है. मामले की जांच पुलिस कर रही है. रोहित ने प्रदीप पाटिल पर दफा 333, 352, 351 (3) 79 के अनुसार अपराध दर्ज कराया है. प्रदीप पाटिल से खुलासा लेने के लिए जब हमने उनसे संपर्क किया तो उनका फोन बंद बता रहा था.

श्री गुरुनानक देवजी का 555वां प्रकाश पर्व धूमधाम से मनाया गया

- उल्हासनगर में निकली सबसे बड़ी प्रभात फेरी
- थाहिरिया सिंह साहिब दरबार द्वारा फेरी का आयोजन
- अमृत वेला ट्रस्ट द्वारा भी निकाली भव्य फेरी
- लाखों की संगत हुई फेरी में शामिल

उल्हासनगर. शहर के सुप्रसिद्ध धन गुरु नानक दरबार डेरा संत बाबा थाहिरिया सिंह साहिब दरबार द्वारा गुरु नानक देवजी महाराज का 555वां प्रकाश पर्व बड़े ही धूमधाम से मनाया गया। ज्ञात हो कि 3 से 15 नवंबर तक शहर में रोजाना बड़े ही धूमधाम से प्रभात फेरी तड़के सुबह निकाली जाती है। आज 15 नवंबर को गुरुनानक जी के 555वें प्रकाश उत्सव पर विश्व की सबसे बड़ी प्रभात फेरी निकाली गई जिसमें लाखों की संख्या में संगत शामिल होकर निहाल हुई।

■ चार्टर प्लेन से हुई पुष्प वर्षा

इस भव्य प्रभात फेरी पर चार्टर प्लेन से पुष्प वर्षा की गई। इस फेरी में संत महात्मा, कलाकार भजन कीर्तन के साथ माहौल गुरुमय कर दिया। दरबार प्रमुख जसकिरत सिंह भाईसाहब और त्रिलोचन सिंह भाईसाहब ने संगत का आभार प्रकट किया जिन्होंने गुरुनानक देवजी के इस प्रकाशोत्सव को सफल बनाया।

चुनाव प्रचार के चलेत रिक्शा चालकों की डिमांड बढ़ी

- आटो वालों को 3-4 घंटे के लिए मिल रहे 500 से 1000 रुपये

कल्याण. विधानसभा चुनाव की पृष्ठभूमि में उम्मीदवारों के प्रचार जुलूस जारी हैं. देखा जा सकता है कि शहर में हर उम्मीदवार के प्रचार का तरीका अलग-अलग है. जुलूस में भीड़ देखने के लिए कुछ प्रत्याशी दैनिक वेतन पर रिक्शा चालकों को जुलूस में शामिल होने के लिए बुला रहे हैं. तो कुछ प्रत्याशी रिक्शे में लाउडस्पीकर और प्रत्याशी की फोटो की तख्ती लगाकर विधानसभा क्षेत्रों में घूम रहे हैं. इन अभियानों और जुलूसों से रिक्शा चालकों की डिमांड बढ़ गई है.

हर तरफ विधानसभा चुनाव की बयार चल रही है और प्रत्याशियों का प्रचार-प्रसार अंतिम चरण में पहुंच गया है. विधानसभा क्षेत्र में प्रत्याशियों का फिलहाल सुबह में जुलूस और शाम में सभा का कार्यक्रम तय है। देखा जा रहा है कि उम्मीदवार हर मतदाता तक पहुंचने के लिए कड़ी मेहनत कर रहे हैं. शहर में इस विधानसभा क्षेत्र के प्रत्याशियों के प्रचार जुलूस, सभाएं और सभाएं आयोजित की जा रही हैं. इन जुलूसों में रिक्शा चालकों को शामिल किया जा रहा है ताकि भीड़ दिखे और इन रिक्शों पर पार्टी का झंडा लगाकर जुलूस निकाला जाता है। इसके लिए रिक्शा चालकों को प्रतिदिन भुगतान किया जा रहा है.

सूत्रों ने बताया कि प्रत्येक रिक्शा चालक को 500 से 1 हजार रुपये तक भुगतान किया जाता है. इसलिए, कुछ उम्मीदवारों ने कुछ रिक्शा चालकों को काम पर रखा है और उनके रिक्शों में उनकी तस्वीर और उम्मीदवार, पार्टी के नाम वाले लाउडस्पीकर लगाए हैं और उम्मीदवार को भारी मतों से जिताने का आह्वान किया है। ये रिक्शे प्रत्याशी के निर्वाचन क्षेत्र में घूम रहे हैं। इसके लिए रिक्शा चालक को प्रतिदिन 300 से 500 रुपये का भुगतान किया जा रहा है. इसलिए इस विधानसभा चुनाव से रिक्शा चालकों की दैनिक आय में बढ़ोतरी हो रही है.

जीवन में हजारों लड़ाइयां जीतने से बेहतर स्वयं पर विजय प्राप्त कर लो. फिर जीत हमेशा तुम्हारी होगी, जिसे तुमसे कोई नहीं छिप सकता. - महात्मा गौतम बुद्ध

उल्हास विकास संपादकीय

रैगिंग पर सख्ती से रोक

परिचय के नाम पर रैगिंग के दौरान प्रताड़ित करने का चलन अगर सख्त पाबंदी के बावजूद आज भी कायम है तो यह इस प्रथा पर पूरी तरह रोक लगाने के लिए उठाए गए कदमों पर सवालिया निशान है। गौरतलब है कि रैगिंग का विरोध करने पर नोएडा के एक निजी विश्वविद्यालय के छात्रावास में कनिष्ठ विद्यार्थियों की पिटाई की गई। विचित्र है कि यह मामला एक महीने तब तक दबा रहा, जब तक कि एक पीड़ित छात्र ने थाने में शिकायत नहीं दर्ज कराई। उच्च शिक्षण संस्थानों में रैगिंग के विरुद्ध सख्त नियमों और अदालतों के साफ दिशा-निर्देशों के बावजूद नए विद्यार्थियों को प्रताड़ित करने या उनके खिलाफ हिंसा की खबरें अक्सर आती रहती हैं।

दमन की कुंठित मानसिकता से ग्रस्त हैं आरोपी छात्र

कई बार ऐसा लगता है कि सख्त नियम-कायदे के बावजूद रैगिंग करने वाले युवाओं के भीतर कानून का भी न कोई डर है, न उन्हें अपने भविष्य की कोई चिंता है। निचली कक्षाओं के विद्यार्थियों पर रौब जमाना या किसी को प्रताड़ित करना यह बताता है कि कुछ युवाओं में दमन की कुंठित मानसिकता काम करती रहती है। किसी उच्च शिक्षण संस्थान में दाखिला लेकर कालेज आने वाले विद्यार्थी को जब उनके वरिष्ठ छात्र शुरुआती दौर में ही शारीरिक और मानसिक पीड़ा पहुंचाने के लिए अभद्र व्यवहार करते हैं, तो उसकी स्मृति नवोदित विद्यार्थी के मन-मस्तिष्क में अंकित हो जा सकती है। वह वर्षों इससे उबर नहीं पाता। शिक्षण संस्थानों में विद्यार्थियों के लिए स्वस्थ और सुरक्षित वातावरण की अपेक्षा की जाती है। इस संदर्भ में रैगिंग के खिलाफ सख्त नियम-कायदे तय किए गए हैं। शीर्ष न्यायालय कई साल पहले सभी शिक्षण संस्थानों में रैगिंग विरोधी कानून सख्ती से लागू करने का आदेश दे चुका है। दोषी छात्रों को तीन साल जेल और जुर्माने का प्रावधान है। नियमों का पालन न करने पर संस्थानों की मान्यता रद्द करने का भी निर्देश है। फिर भी रैगिंग के बहाने आज भी दूसरों को प्रताड़ित करने और उपहास उड़ाने की प्रवृत्ति खत्म नहीं हुई है। ध्यान रखने की जरूरत है कि रैगिंग का शिकार विद्यार्थी प्रताड़ना और अपमान को भूल नहीं पाता। ऐसी घटनाओं के बाद कुछ पीड़ितों ने खुदकुशी भी कर ली। निस्संदेह ऐसे मामले न केवल मानवाधिकारों का हनन हैं, बल्कि गरिमा के विरुद्ध भी हैं।

कोचिंग संस्थानों की झूठी गारंटी पर लगाम

देश भर में फैले कोचिंग संस्थानों में पढ़ने के आकर्षण की मुख्य वजह यही है कि ऐसी लगभग सभी जगहों के बारे में किए गए प्रचार में यह जोर देकर बताया जाता है कि वहां पढ़ाई के बाद अच्छी नौकरियां सबको मिलेंगी। मगर हकीकत क्या है, यह सभी जानते हैं। ज्यादातर कोचिंग संस्थान अपने यहां पढ़ाई कर रहे सौ फीसद विद्यार्थियों को नौकरी दिलवाने का वादा करते हैं और इस तरह एक तरह का जाल फेंक कर बच्चों को उसमें उलझा लेते हैं। जबकि सभी जानते हैं कि कोचिंग संस्थानों में हर वर्ष कितने विद्यार्थी पढ़ कर बाहर निकलते होंगे और नौकरी के लिए कितनी सीटें होती हैं। सीमित सरकारी नौकरियों के दौर में सबको अवसर दिलाने का दावा करना भ्रम फैलाने से कम नहीं है। इसे लेकर पिछले काफी समय से सवाल उठते रहे हैं। अब केंद्र सरकार ने बुधवार को कोचिंग संस्थानों की ओर से कई स्तरों पर भ्रामक प्रचार पर नकेल कसने के लिए नए दिशा-निर्देश जारी किए हैं, जिसके तहत अब 'सौ फीसद चयन' या 'सौ फीसद नौकरी की गारंटी' जैसे दावे करने पर रोक लगाई गई है।

दरअसल, यह परंपरा-सी बन गई है कि अपने प्रचार के क्रम में कोचिंग संस्थान जो दावे करते हैं, उसके बारे में किसी तरह की पारदर्शिता का पालन वे नहीं करते। यह स्पष्ट करने की जरूरत उन्हें नहीं लगती कि सीमित अवसरों के दौर में वे सौ फीसद गारंटी का दावा किस आधार पर करते हैं और इसे वे कैसे मुहैया कराएंगे। उनके आंतरिक ढांचे में शिक्षण का

प्रारूप, शिक्षकों और उनकी योग्यता का ब्योरा, संसाधन आदि के बारे में पारदर्शिता का निर्वाह उन्हें जरूरी नहीं लगता। मगर अपने संस्थान की ओर आकर्षित करने के लिए जारी विज्ञापनों में बढ़-चढ़ कर झूठे दावे करने में कोई कमी नहीं की जाती।

अब नए नियमों के मुताबिक, ऐसे संस्थानों को फीस, अपनी सेवाओं, उसकी गुणवत्ता, शिक्षकों की योग्यता और उनकी विश्वसनीयता आदि के बारे में स्पष्ट रूप से बताना होगा। ताजा दिशा-निर्देशों का उल्लंघन करने वाले कोचिंग संस्थानों पर दस से पचास लाख तक का जुर्माना लगाया जाएगा और लाइसेंस भी रद्द किया जा सकता है।

यह छिपा नहीं है कि छोटे शहरों से बड़े शहरों में अगर बहुत सारे विद्यार्थी कोचिंग संस्थानों में पढ़ाई करने पहुंचते हैं, तो इसके पीछे एक बड़ा कारण इन संस्थानों के भारी-भरकम दावे होते हैं। कई बार किसी बड़े महत्त्व की नौकरी में कामयाबी हासिल करने वाले अभ्यर्थी को कई संस्थान अपने यहां से पढ़ाई किया हुआ बता देते हैं। इन दावों के प्रभाव में आकर और मोटी फीस चुका कर वहां दाखिला लेकर पढ़ने वाले सभी विद्यार्थियों को किसी प्रतियोगिता परीक्षा में चयनित होने का भरोसा दिया जाता और सौ फीसद सरकारी नौकरी की गारंटी दी जाती है। जबकि यह छिपा नहीं है कि देश भर के कोचिंग संस्थानों में हर वर्ष कितने विद्यार्थी प्रतियोगिता परीक्षाओं की तैयारी करते हैं और सरकारी नौकरियों की उपलब्धता कितनी है।

सीमित अवसरों के बावजूद अभिभावक अपने बच्चों को पैसों का इंतजाम करके बड़े शहरों में भेजते हैं, कइयों को जमीन तक गिरवी रखनी या बेचनी पड़ती है या कर्ज लेना पड़ता है। मगर होता यही है कि गिनती के कुछ विद्यार्थियों को कामयाबी मिल पाती है और ज्यादातर को निराशा हाथ लगती है। इससे कैसी पारिवारिक-सामाजिक परिस्थितियां पैदा होती होंगी, इसका अंदाजा लगाया जा सकता है। ऐसे में कोचिंग संस्थानों के भ्रम परोसते दावों पर लगाम लगाना अपने भविष्य के लिए संघर्ष और जद्दोजहद करते विद्यार्थियों के हित में एक जरूरी कदम है।

संत राजिन्दर सिंह जी महाराज

रूहानी दौलत सभी के लिए उपलब्ध है, चाहे उनकी बाहरी परिस्थितियाँ कैसी भी हों।

- संत राजिन्दर सिंह जी महाराज

स्थान - सावन कृपाल रूहानी मिशन, सावन आश्रम, परम संत कृपाल सिंह जी महाराज चौक, खेमानी रोड, उल्हासनगर-२

देखें सत्संग आस्था चैनल पर हर रोज़ सोम - शनि सुबह ८.२० से ८.४० तक

कब थमेगी साइबर ठगी, ये चिंताजनक

डिजिटल अरेस्ट का भय दिखाकर लोगों के साथ ठगी करने के मामले जिस तरह थमने का नाम नहीं ले रहे हैं, उससे यही स्पष्ट होता है कि पिछले दिनों प्रधानमंत्री की ओर से लोगों को साइबर ठगों के इस हथकंडे के प्रति चेताने और संबंधित एजेंसियों की ओर से सक्रियता दिखाए जाने की सूचनाएं आने के बाद भी नतीजा ढाक के तीन पात वाला है। यह चिंताजनक है कि न केवल डिजिटल अरेस्ट की धमकी देकर ठगने के मामले बढ़ रहे हैं, बल्कि ठगी की राशि भी बढ़ती जा रही है। अब तो लोगों से करोड़ों रुपये की ठगी की जा रही है।

ठगी का शिकार होने वालों मे पढ़े-लिखे और जानकार समझे जाने वाले लोग भी बढ़ रहे हैं। कई मामलों में यह भी देखने में आया है कि साइबर ठगी के शिकार लोग शर्मिंदगी के कारण पुलिस के पास शिकायत दर्ज कराने से हिचकते हैं। सरकारी एजेंसियां चाहे जो दावे करें, बहुत कम मामलों में ठगी गई राशि बरामद होती है और ठगों को गिरफ्तार किया जाता है। यह तब है, जब ठगी गई राशि देश के ही खातों में ट्रांसफर कराई जाती है। इससे संतुष्ट नहीं हुआ जा सकता कि सरकार की ओर से यह स्पष्ट किया जा चुका है कि सीबीआइ, ईडी, आयकर विभाग आदि उसकी किसी भी एजेंसी की ओर से डिजिटल अरेस्ट

जैसी कार्रवाई नहीं की जाती।

इसमें संदेह है कि आम लोग साइबर ठगों की चालबाजी से भली तरह जागरूक हो चुके हैं। जागरूकता के अभाव का एक कारण यह भी है कि सरकार ने साइबर ठगों और उनकी ठगी के नित-नए तरीकों के प्रति लोगों को सही तरह सतर्क नहीं किया है। यदि यह समझा जा रहा है कि समाचार पत्रों में एक-दो विज्ञापन जारी करने अथवा प्रधानमंत्री की ओर से मन की बात कार्यक्रम में इस समस्या को रेखांकित करने से लोग डिजिटल अरेस्ट के बहाने की जा रही ठगी के काले कारोबार से अवगत हो गए हैं तो यह सही नहीं।

सरकार को न केवल साइबर ठगों की कमर तोड़ने के लिए और अधिक सख्ती का परिचय देना होगा, बल्कि लोगों को जागरूक करने का कोई व्यापक अभियान भी चलाना होगा। अच्छा हो कि इस पर विचार किया जाए कि कुछ दिनों के लिए मोबाइल कालर ट्यून के जरिये लोगों को चेताया जाए कि इस-इस तरह की फोन काल आए तो सावधान हो जाएं। साइबर ठगी के बढ़ते मामले केवल देश को डिजिटल करने के अभियान को ही चोट नहीं पहुंचा रहे हैं, बल्कि भारत की छवि भी खराब कर रहे हैं। साइबर ठग पहले लोगों को लालच देकर ठगते थे। अब वे लोगों को धमकाकर अथवा उनका मोबाइल फोन हैक करके यही काम कर रहे हैं। साफ है कि उनका दुस्साहस बढ़ रहा है। उनका बढ़ता दुस्साहस सुरक्षा एजेंसियों की नाकामी का ही परिचायक है। यह नाकामी निराश करने वाली है।

छोटी सी संगमरमर की प्रतिमा बिकने जा रही 27 करोड़ में

जरा हट के

आपने एक से एक महंगे संगमरमर देखे होंगे, उनके बारे में सुना होगा. लेकिन स्कॉटलैंड में एक छोटा सा संगमरमर का टुकड़ा 27 करोड़ रुपये में बिकने जा रहा है. आप जानकर हैरान होंगे कि इसे सिर्फ 6 डॉलर यानी 500 रुपये में खरीदा गया था और वर्षों तक इसका इस्तेमाल एक पार्क में दरवाजे को रोकने के लिए डोर स्टेप के रूप में किया गया था. लेकिन एक वजह ऐसी है, जिससे इसकी कीमत लाखों गुना हो गई.

सीएनन की रिपोर्ट के मुताबिक, यह एक संगमरमर की छोटी सी प्रतिमा है, जिसे एक मकान से निकाला गया था. इनवर्गोर्डन टाउन काउंसिल ने 1930 में इसे खरीद लिया. बाद में इसे एक पार्क में डोर स्टेप के काम में लगा दिया गया गया. बाद में पता चला कि इसे 18वीं शताब्दी की शुरुआत में फ्रांसीसी मूर्तिकार एडम बुचार्डन ने बनाया था. प्रतिमा तब के मशहूर जमींदार और राजनीतिज्ञ जॉन गॉर्डन की

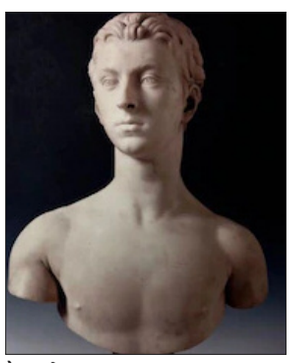

है. इसके बाद मुकदमा शुरू हुआ, जिसमें अब अदालत ने बिक्री की मंजूरी दी दी है. स्कॉटिश हाइलैं* काउंसिल की प्रवक्ता ने सीएनएन को बताया कि नीलामी में इसकी कीमत $3.2 मिलियन यानी 27 करोड़ रुपये से भी ज्यादा लग सकती है. इसके बारे में पता तब चला जब एक विदेशी खरीदार ने नीलामी घर सोथबी से संपर्क किया और इसके लिए 2.5 मिलियन पाउंड से अधिक देने की पेशकश की. जब अफसरों को इसकी कीमत का अंदाजा हुआ तो उन्होंने इसे छिपाकर रख दिया. लेकिन अब इसे बेचने की तैयारी की जा रही है.

ठीक इसी तरह का एक मामला 2018 में सामने आया था. जब सेंट्रल मिशिगन यूनिवर्सिटी में एक चट्टान मिली, जिसे सामान्य पत्थर का टुकड़ा समझकर डोर स्टेप के रूप में इस्तेमाल किया जा रहा था. दशकों तक उसके बारे में किसी को पता नहीं था, लेकिन बाद में पता चला कि यह एक खास उल्कापिंड है, जो दशकों में एक बार गिरता है. इसके बाद इसकी कीमत 75,000 डॉलर यानी लगभग 60 लाख रुपये में बिका था.

सर्दियों में डायबिटीज के मरीज रखें इन बातों का ध्यान

सर्दियों का मौसम दस्तक दे चुका है, बस अब कुछ ही दिनों बाद कड़ाके की ठंड पड़ना शुरू होने वाला है। ये सर्दियां अपने साथ ढेरों हेल्थ प्रॉब्लम्स तो ले कर आती ही हैं लेकिन पुरानी बीमारियों के बढ़ने का खतरा भी इन दिनों जरा ज्यादा हो जाता है। सर्दियां आते ही डायबिटीज यानी शुगर के मरीजों को भी अपना खास ख्याल रखने की जरूरत होती है। दरअसल इन दिनों अपनी क्रेविंग को कंट्रोल करना जरा मुश्किल होता है, जिसकी वजह से शुगर लेवल तेजी से बढ़ने लगता है। इसके अलावा कम एक्टिवनेस और स्ट्रेस हार्मोंस के बढ़ जाने की वजह से भी इंसुलिन रेजिस्टेंस बढ़ जाता है। ऐसे में सर्दियों के दौरान डायबिटीज के मरीजों को अपना खास ख्याल रखने की जरूरत होती है। आइए जानते हैं कुछ खास बातों के बारे में जिन्हें आपको जरूर ध्यान में रखना चाहिए।

■ खानपान का ध्यान रखना है जरूरी

सर्दियों के दौरान हम अधिकतर ज्यादा कैलोरी वाले फू* का सेवन करते हैं। भला सर्दियों में गाजर का हलवा, गर्म-गर्म गुलाबजामुन, बटर से भरपूर आलू के पराठे खाना किसे नहीं पसंद। हालांकि अगर आप शुगर के मरीज हैं तो अपनी क्रेविंग को कंट्रोल में रखने की जरूरत है। इसके अलावा सर्दियों में वैसे भी बॉडी ज्यादा एक्टिव नहीं रहती ऐसे में बॉडी में फैट भी स्टोर होने लगता है। इसलिए बेहतर यही है कि आप अपने डाइट का ध्यान रखें और हेल्दी ग्रीन फू* ही खाएं।

■ स्ट्रेस मैनेजमेंट का रखें ख्याल

दरअसल सर्दियों के मौसम में स्ट्रेस हार्मोन कोर्टिसोल बढ़ने लगता है जिसकी वजह से ब्लड शुगर लेवल भी इंक्रीज होता है। ऐसे में आपको सर्दियों के दौरान अपने स्ट्रेस का ध्यान रखना बेहद जरूरी है। तनाव कम करने के लिए आप अपने दोस्तों, परिवार के साथ ज्यादा समय बिता सकते हैं। साथ ही रेगुलर एक्सरसाइज, योगा और वॉक से भी स्ट्रेस कंट्रोल रहता है। अगर आप किसी वजह से ज्यादा तनाव में हैं तो प्रोफेशनल की हेल्प लेना बिल्कुल ना भूलें।

■ बॉडी को रखें एक्टिव

सर्दियों में ठंड की वजह से सारा दिन सिर्फ रजाई में पड़े रहने को दिल करता है। लोग इन दिनों ज्यादा घूमना-फिरना, हिलना-डुलना पसंद नहीं करते हैं। हालांकि अगर आप डायबिटीज के मरीज हैं तो आपको अपनी बॉडी का विशेष ध्यान रखने की जरूरत है। अपनी बॉडी को भरी ठंड में भी एक्टिव रखें। अगर आप कहीं बाहर जिम वगैरह नहीं जाना चाहते हैं तो घर में ही डांस, योगा, हल्की-फुल्की एक्सरसाइज, वॉक या घर का कोई काम कर सकते हैं। इससे ब्लड शुगर लेवल कंट्रोल रखने में मदद मिलेगी।

■ नियमित जांच है जरूरी

वैसे तो डायबिटीज के मरीजों को हमेशा ही अपना ब्लड शुगर लेवल मॉनिटर करते रहना चाहिए लेकिन सर्दियों के मौसम में ये और ज्यादा जरूरी हो जाता है। दरअसल इन दिनों शुगर लेवल में लाइफस्टाइल चेंज की वजह से काफी उतार चढ़ाव देखने को मिल सकता है। ऐसे में अपने शुगर लेवल को रेगुलर मॉनिटर करते रहें और ज्यादा उतार-चढ़ाव देखने पर डॉक्टर से सलाह लें।

हलवाई वाली आलू की सब्जी

खाना-खजाना

हलवाई के हाथ की बनी आलू की सब्जी तो जरूर खाई होगी। उसका स्वाद कितना लाजवाब लगता है। लेकिन घर में ऐसी मजेदार सब्जी कभी नहीं बन पाती। अगर आपके साथ भी ऐसा होता है और आप सब्जी की वहीं महक और टेस्ट चाहते हैं जो सीख लें बनाने का आसान तरीका। जिसे खाकर बच्चे क्या बड़े भी वाह-वाह करते नहीं थकेंगे।

सामग्री :

- उबले आलू
- 7-8 काली मिर्च
- 7-8 लौंग
- 7-8 हरी इलायची
- टमाटर
- हरी मिर्च
- अदरक का टुकड़ा
- तेल
- देसी घी
- जीरा
- तेजपत्ता
- हींग
- लाल मिर्च
- हल्दी पाउडर
- बेसन दो चम्मच
- सौफ पाउडर दो चम्मच
- कसूरी मेथी

विधि :

सबसे पहले सात से आठ काली मिर्च, लौंग, हरी इलायची को लेकर पीस लें। अब किसी ग्राइंडर जार में टमाटर दो से तीन लें। इसमे हरी मिर्च और अदरक के दो टुकड़े लें और पीसकर पेस्ट तैयार कर लें। अब कड़ाही में दो चम्मच रिफाइंड और दो चम्मच देसी घी डालकर गैस जलाएं। जब तेल गर्म हो जाए तो जीरा, तेजपत्ता और एक चम्मच हींग डालें। दो चम्मच बेसन डालें और भूनें, साथ में सौंफ का दो चम्मच पाउडर, कसूरी मेथी डालें। घर के बने मसाले को तेल में डालें और धीमी आंच पर सारे मसालों को भून लें। पानी डालें। उबली आलूओं को छील कर रख लें। जब पानी पकने लगे तो आलू कों हाथों से रफली मैश करें और सीधे मसालों में मिला दें। कुछ देर पकाएं और सबसे आखिर में हरी धनिया डालकर ढंक दें। बस तैयार है हलवाई वाली आलू की सब्जी, जो पूड़ी, कचौड़ी सबसे साथ लाजवाब लगती है।

वेट लॉस का बेस्ट फॉर्मुला

■ चर्बी कम करने के लिए जानें एक्सरसाइज

मोटापा हर किसी के लिए एक बड़ी समस्या बन गई है। गलत खानपान और कम शारीरिक एक्टिविटी के कारण आज बच्चों से लेकर बड़ों तक हर कोई शरीर की बढ़ती चर्बी से परेशान है।इससे निपटने के लिए लोग कई तरह की चीजों को करते हैं। हालांकि, रिजल्ट मनचाहा नहीं मिलता है। ऐसे में आपको वेट गेन से जुड़ी कुछ बातों को जानना चाहिए।

■ वेट लॉस और फैट लॉस का बेस्ट फॉर्मुला

राज शमानी के पॉडकास्ट में प्रशांत देसाई ने वेट लॉस और फैट लॉस के बारे में बात की। एक्सपर्ट कहते हैं कि ज्यादातर लोगों को लगता है कि कम खाने और ज्यादा चलने से वेट कम होगा, उनका कहना है कि सुनने में ये जितना सिंपल लग रहा है उतना सिंपल है नहीं। प्रशांत बताते हैं कि एनर्जी बैलेंस ही एक मात्र फॉर्मुला है जिसकी मदद से आप वजन कम कर सकते हैं।

■ वेट क्यों बढ़ता है?

वजन कम करने के बारे में जानने से पहले आपको ये जानना चाहिए कि वजन क्यों बढ़ रहा है। कोई भी मास को बढ़ने या घटाने के लिए एनर्जी चाहिए। एक्सपर्ट बताते हैं कि जिंदा रहने के लिए एनर्जी की जरूरत होती है, जो खाने से मिलती है। हमारे शरीर में 37 ट्रिलियन सेल्स हैं और हर एक सेल एनर्जी बनाता हैं। ऐसे में जब आप शरीर को एनर्जी ज्यादा देते हैं लेकिन यूज नहीं करते हैं तो ये कहीं न कहीं स्टोर हो जाती है। जब ये स्टोर होती है तो मास बढ़ता है और वेट गेन होता है। सरल शब्दों में कहें तो आप जब ज्यादा खाते हैं और उसे स्पेंड नहीं करते हैं तो वजन बढ़ेगा।

■ यूं समझें एनर्जी

एक्सपर्ट ने बताया की जब आप ज्यादा खाते हैं और कम एनर्जी यूज करते हैं तो वजन बढ़ेगा। लेकिन जब आप कम खाते हैं और ज्यादा एनर्जी यूज करते हैं तो वजन कम होगा। हां, अगर आप आप जितना खा रहे हैं उतना ही एनर्जी यूज कर रहे हैं तो इसको कैलोरीज मैनटेन करना कहते हैं।

■ इस बात का रखें ख्याल

वेट लॉस के लिए कैलोरी की कमी होना जरूरी है। इसके लिए आप जितनी कैलोरी बर्न कर रहे हैं आपको उससे कम कैलोरी खाना है।

■ वेट लॉस के लिए बेस्ट एक्सरसाइज

जब आप एक्सरसाइज करते हैं तो आप कम खाते हैं। एक्सपर्ट कहते हैं कि कई स्टडीज बताती हैं कि एक्सरसाइज के बाद आपको कुछ तला हुआ खाने का मन नहीं करेगा। वहीं एक्सरसाइज से वजन कम नहीं होता ये कम खाकर ही होगा। ओवर ऑल वेट लॉस के लिए एक्सरसाइज अच्छी है लेकिन ये डायरेक्ट वजन कम करने में मदद नहीं करती। वॉक स्टेप्स अच्छा है। वहीं हफ्ते में 4 दिन 45 मिनट के लिए एक्सरसाइज करना अच्छा है। इसमें 2 दिन कार्डियो करें और 2 दिन स्ट्रेंथ ट्रेनिंग करें।

बस 7 दिनों में सॉफ्ट हो जाएंगी फटी एडियां

■ 5 घरेलू उपाय करें फॉलो

सर्दियों में फटी एड़ियां सबसे बड़ी समस्या होती हैं. यह समस्या सबसे ज्यादा महिलाओं को प्रभावित करती है. कभी-कभी स्थिति इतनी खराब हो जाती है कि एड़ी से खून निकलने लगता है. इससे चलने में भी दिक्कत होती है. अगर आप इस सर्दी में इस समस्या से बचना चाहते हैं तो अभी यहां बताए गए पांच घरेलू उपाय अपनाएं. यह उपाय ऐसा है कि अगर आप इसे अपनाएंगे तो एड़ी फट भी जाए तो सात दिन में त्वचा सामान्य हो जाएगी. इस उपाय को करने से सारी सर्दी एड़ियां नहीं फटेंगी.

फटी एड़ियों के लिए घरेलू उपचार

1. अगर एड़ी की त्वचा ज्यादा फटी हुई है तो रोजाना रात को एड़ी पर नारियल का तेल लगाएं. अगर आप रोजाना दिन-रात नारियल का तेल लगाएंगे तो फटी त्वचा ठीक होने लगेगी.

2. एड़ी की त्वचा को जल्दी ठीक करने के लिए शहद और नींबू का मिश्रण भी उपयोगी है. शहद एक प्राकृतिक मॉइस्चराइजर है. नींबू में एंटीसेप्टिक गुण होते हैं.

शहद और नींबू का मिश्रण एड़ी पर लगाने से त्वचा मुलायम हो जाती है और जल्दी ठीक हो जाती है.

3. एड़ी फटने पर सिरके और नमक के पानी का प्रयोग करें. इसके लिए पानी को गर्म करके उसमें नमक और सिरका मिला लें. अब इस पानी में पैरों के शरीर को 10 मिनट तक रखें. यह एड़ी की सख्त त्वचा को मुलायम कर देगा और डेड स्किन भी निकल जाएगी.

4. आलू को उबालकर उसका पेस्ट बना लें, अब इस पेस्ट में दूध मिला लें. इस मिश्रण को मुंहासों पर लगाएं. इसे 30 मिनट के लिए छोड़ दें और फिर गर्म पानी से एड़ी धो लें. यह फटी एड़ियों को जल्दी ठीक करता है.

5. सबसे असरदार घरेलू उपाय है एलोवेरा जेल. सर्दियों में हर रात पैरों को साफ करने के लिए एलोवेरा जेल लगाएं. इसके बाद दस्ताने पहनें और बिस्तर पर जाएं. अगर आप यह काम अभी से शुरू कर देंगे तो पूरी सर्दी एड़ी नहीं फटेगी.

आज का राशिफल

मेष : रोजगार में वृद्धि होगी। भेंट व उपहार की प्राप्ति होगी। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। शत्रु सक्रिय रहेंगे। गर्व-अहंकार को दूर करें। राजनीतिक व्यक्तियों से लाभकारी योग बनेंगे। मनोबल बढ़ने से तनाव कम होगा। साझेदारी में नवीन प्रस्ताव प्राप्त हो सकेंगे।

वृषभ : फालतू खर्च होगा। दुष्टजन हानि पहुंचा सकते हैं। विवाद को बढ़ावा न दें। चिंता तथा तनाव रहेंगे। व्यावसायिक योजनाओं का क्रियान्वयन नहीं हो पाएगा। परिवार की चिंता रहेगी। आय से व्यय अधिक होंगे। अजनबियों पर विश्वास से हानि हो सकती है।

मिथुन : बकाया वसूली के प्रयास सफल रहेंगे। यात्रा सफल रहेगी। रोजगार में वृद्धि होगी। जोखिम न लें। अपने व्यसनों पर नियंत्रण रखें। पत्नी के बतलाए रास्ते पर चलने से लाभ की संभावना बनती है। यात्रा से लाभ। मशीनरी खरीदी के योग हैं। व्यवसाय में अड़चनें आएंगी।

कर्क : नई योजना बनेगी। कार्यप्रणाली में सुधार होगा। मान-सम्मान मिलेगा। नेत्र पीड़ा हो सकती है। अधिकारी वर्ग विशेष सहयोग नहीं करेंगे। ऋण लेना पड़ सकता है। यात्रा आज नहीं करें। परिवार के कार्यों को प्राथमिकता दें। आपकी बुद्धिमत्ता सामाजिक सम्मान दिलाएगी।

सिंह : धर्म-कर्म में रुचि रहेगी। कोर्ट व कचहरी के कार्य बनेंगे। व्यवसाय ठीक चलेगा। चोट व रोग से बचें। कार्य-व्यवसाय में लाभ होने की संभावना है। दांपत्य जीवन में अनुकूलता रहेगी। सामाजिक समारोहों में भाग लेंगे। सुकर्मों के लाभकारी परिणाम मिलेंगे।

कन्या : जीवनसाथी से सहयोग मिलेगा। वाहन व मशीनरी के प्रयोग में सावधानी रखें। विवाद को बढ़ावा न दें। मितव्ययिता को ध्यान में रखें। कुटुंबियों से संबंध सुधरेंगे। शत्रुओं से सावधान रहें। व्यापार लाभप्रद रहेगा। खर्चों में कमी करें। सश्रम किए गए कार्य पूर्ण होंगे।

तुला : भ्रम की स्थिति बन सकती है। प्रेम-प्रसंग में अनुकूलता रहेगी। कानूनी अड़चन दूर होगी। भौतिक सुख-सुविधाओं में वृद्धि होगी। स्वास्थ्य संबंधी समस्या हल हो सकेगी। व्यापार-व्यवसाय अच्छा चलेगा। अपनी वस्तुएँ संभालकर रखें। रुका धन मिलेगा।

वृश्चिक : भूमि व भवन संबंधी योजना बनेगी। रोजगार में वृद्धि होगी। नौकरी में अधिकार बढ़ सकते हैं। अर्थ संबंधी कार्यों में सफलता से हर्ष होगा। सुखद भविष्य का स्वप्न साकार होगा। विचारों से सकारात्मकता बढ़ेगी। दुस्साहस न करें। इच्छित लाभ होगा।

धनु : स्वादिष्ट भोजन का आनंद मिलेगा। विद्यार्थी वर्ग सफलता हासिल करेगा। व्यवसाय ठीक चलेगा। अच्छे लोगों से भेंट होगी जो आपके हितचिंतक रहेंगे। योजनाएं फलीभूत होंगी। नौकरी में पदोन्नाति के योग हैं। आलस्य से बचकर रहें। परिवार की मदद मिलेगी।

मकर : व्यापार-व्यवसाय मध्यम रहेगा। कष्ट, भय, चिंता व बेचैनी का माहौल बन सकता है। दुःखद समाचार मिल सकता है, धैर्य रखें। किसी के भरोसे न रहकर अपना कार्य स्वयं करें। महत्वपूर्ण कार्यों में हस्तक्षेप से नुकसान की आशंका है। परिवार में तनाव रहेगा।

कुंभ : पुराना रोग उभर सकता है। प्रयास सफल रहेंगे। प्रतिष्ठा बढ़ेगी। रोजगार में वृद्धि होगी। यात्रा का शुभ योग होने के साथ ही कठिन कार्य में भी सफलता मिल सकेगी। रिश्तेदारों से संपत्ति संबंधी विवाद हो सकता है। व्यापार-नौकरी में लाभ होगा।

मीन : पुराने मित्र व संबंधियों से मुलाकात होगी। शुभ समाचार मिलेंगे। मान बढ़ेगा। प्रसन्नता रहेगी। मन में उत्साह रहेगा, जिससे कार्य की गति बढ़ेगी। आपके कार्यों को समाज में प्रशंसा मिलेगी। भागीदारी में आपके द्वारा लिए गए निर्णयों से लाभ होगा।

-ज्योतिषाचार्य पंडित अतुल शास्त्री

लेख में दी गई समस्त जानकारियां और सूचनाएं सामान्य मान्यताओं पर आधारित हैं. 'उल्हास विकास' इनकी पुष्टि नहीं करता है. इन पर अमल करने से पहले संबंधित विशेषज्ञ से संपर्क करें.

खबरें गांव की...

वाराणसी में 41 लाख लूट के मामले पुलिस का ऐक्शन, इंस्पेक्टर समेत दो पर मुकदमा

वाराणसी. वाराणसी में पहड़िया (सारनाथ) स्थित रुद्रा हाइट्स अपार्टमेंट में जुए की फड़ से 41 लाख रुपये लूटने के मामले में करीब सप्ताह भर बाद कार्रवाई हुई। सारनाथ थानाध्यक्ष विवेक त्रिपाठी की तहरीर पर इंस्पेक्टर परमहंस गुप्ता, धर्मेंद्र चौबे पर लूट के आरोप में, अपार्टमेंट मालिक व अन्य अज्ञात पर सार्वजनिक जुआ अधिनियम में केस दर्ज किया गया है।

बीते सात नवंबर की रात तत्कालीन सारनाथ इंस्पेक्टर परमहंस गुप्ता और छित्तमपुर (चौबेपुर) निवासी धर्मेंद्र कुमार चौबे उर्फ पिंटू रुद्रा हाइट्स अपार्टमेंट पहुंचे थे। गेट पर सुरक्षा गार्ड से धर्मेंद्र चौबे ने खुद को मुख्यमंत्री का ओएसडी बताया। पीछे की सीट पर परमहंस गुप्ता बावर्दी बैठा था। रात 1225 बजे के करीब दोनों लिफ्ट से ऊपर पहुंचे। घंटे भर बाद लौटे तो धर्मेंद्र चौबे के हाथ में दो बैग थे। बैग में जुए की फड़ से उठाये गये रुपये थे।

शादी में जा रहे लोगों की स्कार्पियो डिवाइडर से टकराई, 4 की मौत; चार घायल

रुड़की. उत्तराखंड में रोड एक्सीडेंट रुकने का नाम नहीं ले रहे हैं। एक ही दिन में दो अलग-अलग सड़क हादसों में पांच लोगों की मौत हो गई है। रुड़की में चार लोगों की मौत हुई है, जबकि देहरादून में एक की जान गई है। देर रात दिल्ली-हरिद्वार हाईवे पर तेज रफ्तार स्कार्पियो कार डिवाइडर से टकराने के बाद अनियंत्रित होकर पलट गई। हादसे में चार लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। जबकि कार में सवार चार लोग गंभीर रूप से घायल हैं। ये सभी मेरठ से रुड़की स्थित चंद्रपुरी में एक शादी में शामिल होने के लिए जा रहे थे। एसपी देहात स्वप्न किशोर सिंह ने बताया कि देर रात एक स्कॉर्पियो मेरठ की ओर से रुड़की की तरफ आ रही थी। इसमें आठ लोग सवार थे।

वर्दी वाले भी नहीं बख्शे, दो पुलिस वालों के घर लाखों की चोरी, जेवर और नगदी लूटी

अलीगढ़. यूपी में वर्दी वाले भी अब सुरक्षित नहीं हैं। चोरों ने पुलिस वालों के ही घर में चोरी कर ली। अलीगढ़ के अतरौली में पालीमुकीमपुर थाना क्षेत्र के गांव पीढौल महमूदपुर में बुधवार रात दो पुलिस कर्मियों के घर से चोर लाखों रुपए के जेवरात और नगदी चुरा ले गए। सुबह घटना की जानकारी होने पर परिजनों के होश उड़ गए। घर में शादी की तैयारियों के चलते जेवर और नगदी मौजूद थी। चोरी की घटना के बाद परिवार जनों का रो रोकर बुरा हाल है। पुलिस को इसकी जानकारी दे दी गई है। मामले में जांच शुरू की गई है।

मामला गांव पीढौल महमूदपुर का है। महमूदपुर निवासी होरीलाल पुत्र बालकिशन किसान हैं। उनके दो बेटे पवन आगरा और निर्मल सिंह हापुड़ में पुलिस कांस्टेबिल हैं। दोनों भाई वहीं ड्यूटी पर थे। होरीलाल तीसरा बेटा प्रमोद कुमार गांव में ही उनके साथ रहते हैं। प्रमोद बुधवार को अपनी पत्नी गुनगुन और दोनों बच्चों के साथ ससुराल इगलास गए थे। घर में होरीलाल और उनकी पत्नी विमलेश देवी सो रहे थे। इसी दौरान देर रात चोर छत के रस्ते उनके घर में घुस आए और कमरे का ताला तोड़कर उसमें रखे बक्शे और अलमारी से जेवर और नगदी निकाल ले गए।

गृहमंत्री अमित शाह ने उद्धव ठाकरे से की मांग

बाल ठाकरे के बारे में दो अच्छे शब्द राहुल गांधी से बुलवाकर दिखाएं

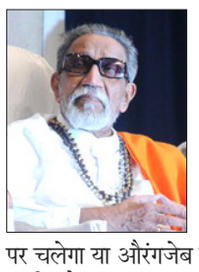

मुंबई. होम मिनिस्टर अमित शाह ने उद्धव ठाकरे के महाविकास अघाड़ी में रहने पर तंज कसा है। उन्होंने कहा कि उद्धव ठाकरे को राहुल गांधी से कहना चाहिए कि वह वीर सावरकर और बाल ठाकरे के बारे में 'दो अच्छे शब्द' बोलकर दिखाएं। अमित शाह ने कहा कि उद्धव ठाकरे उन लोगों के साथ हैं, जो औरंगजेब की विचारधारा रखते हैं। शाह ने कहा कि भाजपा के नेतृत्व वाले महायुति गठबंधन ने शिवाजी महाराज और वीर सावरकर का मार्ग चुना, लेकिन महा विकास आघाडी औरंगजेब का फैन क्लब है।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने 70 साल तक अयोध्या में राम मंदिर के निर्माण में रोड़े अटकाए, मोदी जी ने उसे बनवाया। महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव तय करेगा कि राज्य शिवाजी महाराज और वीर सावरकर के मार्ग पर चलेगा या औरंगजेब के। राहुल गांधी को याद रखना चाहिए कि उनकी चौथी पीढ़ी भी आ जाए, तब भी अनुच्छेद- 370 बहाल नहीं हो पाएगा। यही नहीं एक और तंज राहुल गांधी पर कसते हुए अमित शाह ने कहा कि उन्हें तो बार-बार लॉन्च किया जाता है और वह फेल हो जाते हैं। अमित शाह ने कहा कि सोनिया गांधी ने अपने बेटे को 20 बार लांच करने का प्रयास किया। महाराष्ट्र चुनाव में उनका ''राहुल प्लेन'' 21वीं बार दुर्घटनाग्रस्त होगा।

महाराष्ट्र शिवाजी का है या फिर औरंगजेब की विचारधारा का है, अमित शाह की इस टिप्पणी को उद्धव ठाकरे के बयान का जवाब माना जा रहा है। उद्धव ठाकरे ने गुरुवार को कहा था कि विधानसभा चुनाव से तय होगा कि यह राज्य महात्मा फुले, बाबासाहेब आंबेडकर और छत्रपति शाहू जैसे पूजनीय लोगों का है या मोदी-शाह-अदाणी की तिकड़ी का है। उन्होंने केंद्रीय मंत्री अमित शाह की भी आलोचना की थी। शाह ने हाल ही में एक रैली में दावा किया था कि उद्धव सेना उन लोगों के साथ मिली हुई है जो अनुच्छेद 370 को खत्म करने का विरोध कर रहे थे। संविधान के अनुच्छेद 370 के तहत जम्मू-कश्मीर को विशेष प्राप्त था।

ठाकरे ने शाह पर निशाना साधते हुए कहा, 'केंद्रीय गृह मंत्री कहते हैं कि हम उन लोगों के साथ खड़े हैं जिन्होंने अनुच्छेद 370 को खत्म करने का विरोध किया था। हमने इस कदम के लिए आपकी सराहना की। लेकिन मुझे बताएं कि क्या कोई कश्मीरी पंडित इस प्रावधान के खत्म होने के बाद घाटी में वापस जाने में सक्षम हुआ?' ठाकरे ने कहा, 'यह चुनाव तय करेगा कि राज्य फुले, आंबेडकर और शाहू का है या प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, शाह और (उद्योगपति गौतम) अदाणी जैसे लोगों का है। यह चुनाव महाराष्ट्र प्रेमियों और महाराष्ट्र के लुटेरों के बीच है।'

हिंगोली में अमित शाह के हेलिकॉप्टर की चेकिंग

- EC अधिकारियों ने बैग खोलकर जांचे
- गृह मंत्री बोले- BJP का निष्पक्ष चुनाव में विश्वास

हिंगोली. महाराष्ट्र के हिंगोली में शुक्रवार दोपहर गृह मंत्री अमित शाह के हेलिकॉप्टर की जांच हुई। इलेक्शन कमिशन के अधिकारियों ने शाह के हेलिकॉप्टर की जांचा और उसमे रखा सामान भी खोलकर देखा। पूरी जांच की वीडियोग्राफी भी कराई गई। वहीं, शाह ने भी इस चेकिंग के वीडियो को X पर पोस्ट किया। उन्होंने लिखा- आज महाराष्ट्र के हिंगोली विधानसभा क्षेत्र में चुनाव प्रचार के दौरान चुनाव आयोग के अधिकारियों ने मेरे हेलीकॉप्टर की जांच की। भाजपा निष्पक्ष चुनाव और स्वस्थ चुनाव प्रणाली में विश्वास करती है। और माननीय चुनाव आयोग के बनाए गए सभी नियमों का पालन करती है।

देश के 9 बड़े नेताओं की जांच हो चुकी

महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में चुनाव आयोग (EC) की सख्ती जारी है। चुनाव के बीच EC देश के 9 बड़े नेताओं की जांच हो कर चुकी है। 14 नवंबर को भी कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, गोवा के CM प्रमोद सावंत, महाराष्ट्र कांग्रेस अध्यक्ष नाना पटोले और उद्धव ठाकरे के सामानों की चेकिंग की गई थी। खड़गे नासिक में चुनाव प्रचार के लिए पहुंचे थे। हैलिपेड पर उनकी जांच की वीडियोग्राफी भी हुई। गोंदिया में महाराष्ट्र कांग्रेस अध्यक्ष नाना पटोले के हेलिकॉप्टर और बैग की जांच की गई। वे गोरेगांव विधानसभा सीट पर NCP(SP) उम्मीदवार के लिए प्रचार करने जा रहे थे। उद्धव ठाकरे की तीसरी बार अहमदनगर में जांच हुई। इस तरह कराड एयरपोर्ट (सातारा) पर गोवा के CM प्रमोद सावंत का सामान भी चेक हुआ।

राहुल गांधी के हेलिकॉप्टर को झारखंड के गोड्डा में रोका

- कांग्रेस बोली- ये बर्दाश्त नहीं

गोड्डा. झारखंड के गोड्डा में चुनावी सभा के बाद कांग्रेस नेता राहुल गांधी का हेलिकॉप्टर डेढ़ घंटे तक रुका रहा।बताया जा रहा है कि एयर ट्रैफिक कंट्रोल (ATC) से गोड्डा के बेलबड्डा से हेलिकॉप्टर को उड़ान भरने की अनुमति नहीं मिली थी। पूरी घटना के दौरान राहुल गांधी हेलिकॉप्टर में ही बैठे रहे और मोबाइल देखते रहे।

महगामा क्षेत्र से विधायक और कांग्रेस कैंडिडेट दीपिका पांडे सिंह ने कहा कि हेलिकॉप्टर को सिर्फ इसलिए रोका गया कि प्रधानमंत्री देवघर में हैं। राहुल गांधी को उस क्षेत्र से गुजरने की अनुमति नहीं दी गई। प्रोटोकॉल है, जिसे हम समझते हैं लेकिन कांग्रेस ने 70 वर्षों तक देश पर शासन किया और किसी भी विपक्षी नेता के साथ ऐसी घटना कभी नहीं हुई। यह स्वीकार्य नहीं है।

सूत्रों के अनुसार, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बिहार के जमुई से सभा कर देवघर एयरपोर्ट आने वाले हैं, इस कारण राहुल के हेलिकॉप्टर को उड़ान भरने की अनुमति नहीं मिली थी।

PM के सामने नीतीश बोले-अब कहीं नहीं जाऊंगा

प्रधानमंत्री ने 6 हजार 640 करोड़ के प्रोजेक्ट्स की शुरुआत की, झाल और नगाड़ा बजाया

जमुई. पीएम नरेंद्र मोदी तीन दिन में दूसरी बार बिहार आए। जमुई के बल्लोपुर में शुक्रवार को वो भगवान बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती पर जनजातीय गौरव दिवस कार्यक्रम में शामिल हुए। पीएम ने बिरसा मुंडा के नाम पर 150 रुपए का सिक्का और 5 रुपए का स्मारक डाक टिकट जारी किया है।

पीएम ने ये स्मारक सिक्का और डाक टिकट बिरसा मुंडा के वंशज को भेंट भी किया। इस दौरान पीएम ने 6,640 करोड़ रुपए से अधिक की योजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया। इसके अलावा दो जनजातीय फ्रीडम फाइटर म्यूजियम और दो जनजातीय रिसर्च सेंटर का उद्घाटन भी किया।

नीतीश कुमार के बाद पीएम मोदी मंच पर पहुंचे। करीब 40 मिनट के भाषण में प्रधानमंत्री ने आदिवासियों पर फोकस किया। परिवारवाद और आदिवासियों की अनदेखी को लेकर पिछली सरकारों को घेरा। नीतीश कुमार की तारीफ भी की। पीएम मोदी ने कहा कि 'आदिवासी समाज वो है, जिसने राजकुमार राम को भगवान राम बनाया। आदिवासी समाज ने भारत की संस्कृति और आजादी की रक्षा के लिए, सैकड़ों सालों की लड़ाई को नेतृत्व दिया। आजादी के बाद के दशकों में आदिवासी इतिहास के योगदान को मिटाने के लिए कोशिश की गई। इसके पीछे भी स्वार्थ भरी राजनीति थी। राजनीति ये कि भारत की आजादी के लिए केवल एक ही दल को श्रेय दिया जाए।' PM ने कहा कि 'पहली बार अटल बिहारी वाजपेयी की सरकार में ही अलग से आदिवासी कल्याण मंत्रालय बना। पहले आदिवासियों के लिए 25 हजार करोड़ से भी कम का बजट था। हमारी सरकार ने इसे 5 गुना बढ़ाकर सवा लाख करोड़ तक पहुंचाया।'

बॉम्बे हाईकोर्ट बोला-नाबालिग पत्नी से सहमति से संबंध बनाना रेप

- 10 साल की सजा बरकरार
- ट्रायल कोर्ट ने भी दोषी माना था

मुंबई. बॉम्बे हाइकोर्ट की नागपुर बेंच ने कहा कि 18 साल से कम उम्र की पत्नी के साथ शारीरिक संबंध को रेप माना जाएगा। व्यक्ति के खिलाफ रेप का मामला भी दर्ज किया जा सकता है।

कोर्ट ने नाबालिग पत्नी के साथ रेप के आरोपी एक व्यक्ति की 10 साल की सजा को बरकरार रखा। अदालत ने कहा नाबालिग पत्नी के साथ सहमति से शारीरिक संबंध भी कानून के तहत बलात्कार ही माना जाएगा।

अपीलकर्ता को 2019 में ट्रायल कोर्ट ने POCSO एक्ट के तहत दोषी ठहराया था। इसके बाद उसने हाईकोर्ट में अपील की थी।

जस्टिस सनप ने फैसले में ये भी कहा कि अभियोजन पक्ष ने साबित कर दिया कि अपराध के समय पीड़ित की उम्र 18 साल से कम थी। डीएनए रिपोर्ट से पुष्टि हुई है कि आरोपी और पीड़ित ही बच्चे के जैविक माता-पिता हैं।

जस्टिस सनप ने अपील खारिज करते हुए कहा, साक्ष्यों की दोबारा जांच करने के बाद मुझे यह समझ में आता है कि ट्रायल जज ने कोई गलती नहीं की। उनका फैसला सही है। मुझे उसे नकारने या उन पर विश्वास न करने का कोई कारण नहीं दिखता।

कोर्ट बोला- नाबालिग से सेक्स करना रेप

- जस्टिस गोविंद सनप की बेंच ने पत्नी के साथ रेप के लिए एक व्यक्ति की सजा को बरकरार रखते हुए उसकी दलील को खारिज कर दिया। दोषी का तर्क था कि पीड़ित के साथ यौन संबंध सहमति से बनाए थे। उस समय वह उसकी पत्नी थी। ऐसे में इसे रेप नहीं कहा जा सकता।
- लाइव लॉ के मुताबिक, 12 नवंबर को जारी आदेश में जस्टिस सनप ने कहा, निर्धारित कानून के मद्देनजर यह बात स्वीकार नहीं की जा सकती कि अपीलकर्ता का पीड़ित पत्नी के साथ शारीरिक संबंध बनाना रेप या सेक्शुअल वायलेंस नहीं माना जाएगा। यह बताना जरूरी है कि 18 साल से कम उम्र की लड़की के साथ सेक्स करना रेप है, फिर चाहे वह शादीशुदा हो या नहीं।

ख्याति अस्पताल का डॉ. प्रशांत वजीरानी अरेस्ट

- 'आयुष्मान योजना' से पैसे ऐंठने के लिए 17 मरीजों की एंजियोग्राफी की थी, दो की मौत

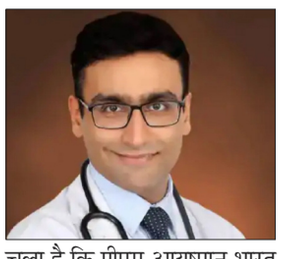

अहमदाबाद. अहमदाबाद के ख्याति अस्पताल में 19 मरीजों की एंजियोग्राफी और 7 मरीजों की एंजियोप्लास्टी की गई थी। जिनमें से 2 मरीजों की मौत हो जाने के बाद इसकी जांच शुरू की गई है। अस्पताल के डॉक्टर और निदेशक समेत पांच लोगों के खिलाफ पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है। 19 लोगों की जान खिलवाड़ करने वाले डॉ. प्रशांत वजीरानी को भी गिरफ्तार कर लिया गया है।

वहीं, अस्पताल के निदेशक संजय पटोलिया के खिलाफ भी मामला दर्ज कर लिया गया है। पता चला है कि पीएम आयुष्मान भारत योजना के पैसे ऐंठने के यह प्लान संजय पटोलिया का ही था। उसके राजकोट और सूरत में भी एक-एक अस्पताल हैं। तीनों हॉस्पिटल के अलग-अलग नाम हैं।

ख्याति हॉस्पिटल स्कैंडल पर हंगामे के बाद बुधवार को स्वास्थ्य मंत्री की अध्यक्षता में हुई बैठक में अस्पताल के खिलाफ सख्त कार्रवाई की बात कही गई थी। स्वास्थ्य विभाग और पुलिस की आगे की जांच में और भी चौंकाने वाले खुलासे हो सकते हैं।

भारत ने पिनाक रॉकेट लॉन्चर का सफल परीक्षण किया

- इसमें 44 सेकंड में 12 रॉकेट दागने की क्षमता
- राजनाथ बोले- अब सेना और मजबूत होगी

नई दिल्ली. भारत ने गाइडेड पिनाक वेपन सिस्टम का सफल परीक्षण किया है। यह टेस्ट डिफेंस रिसर्च एंड डेवलपमेंट ऑर्गनाइजेशन की तरफ से किया गया।

यह सिस्टम पूरी तरह से देश में ही बनाया गया है। यह सिस्टम केवल 44 सेकंड में 12 रॉकेट दाग सकता है, यानी हर 4 सेकेंड में एक रॉकेट। परीक्षण के दौरान इसकी मारक क्षमता, सटीकता और एक साथ कई लक्ष्यों पर हमला करने की ताकत को परखा गया।

रक्षा मंत्रालय ने बताया कि यह परीक्षण तीन अलग-अलग जगहों पर किया गया। दो लॉन्चरों से कुल 24 रॉकेट दागे गए। ये सभी रॉकेट अपने लक्ष्य को सफलतापूर्वक भेदने में कामयाब रहे।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने इस कामयाबी पर DRDO और सेना को बधाई दी। उन्होंने कहा कि इस नए सिस्टम के जुड़ने से हमारी सेना और मजबूत होगी। गाइडेड पिनाका सिस्टम को DRDO के वैज्ञानिकों ने तैयार किया है। इसे बनाने में कई कंपनियों ने भी योगदान दिया, जैसे म्यूनिशन्स इंडिया लिमिटेड और टाटा एडवांस्ड सिस्टम्स।

क्या है पिनाक रॉकेट लॉन्चर सिस्टम?

पिनाक रॉकेट लॉन्चर सिस्टम का नाम भगवान शिव के धनुष 'पिनाक' के नाम पर रखा गया है। इसे DRDO के पुणे स्थित आयुध अनुसंधान एवं विकास प्रतिष्ठान (ARDE) की तरफ से बनाया गया है। इसकी एक बैटरी में छह लॉन्च वाहन होते हैं। इसके लोडर सिस्टम, रडार और नेटवर्क आधारित सिस्टम और एक कमांड पोस्ट के साथ लिंक होते हैं। वर्तमान में इसके 2 वर्जन हैं। पहला मार्क I है, जिसकी रेंज 40 किलोमीटर है और दूसरा मार्क-II है, जिसकी रेंज 75 किलोमीटर है। इसकी रेंज 120-300 किलोमीटर तक बढ़ाने की योजना है। पिनाक रॉकेट लॉन्चर सिस्टम में 214 मिलिमीटर के 12 रॉकेट होते हैं। पिनाक रॉकेट्स की स्पीड ही इसे सबसे ज्यादा खतरनाक बनाती है। इसकी स्पीड 5,757.70 किलोमीटर प्रतिघंटा है, यानी एक सेकेंड में 1.61 किलोमीटर की गति से हमला करता है। साल 2023 में इसके 24 टेस्ट किए गए थे।

प्रैक्टिस में पंत-बुमराह की मस्ती

- 100-100 डॉलर की शर्त लगाई

भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच 22 नवंबर से बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी शुरू होने जा रही है। दोनों टीमें दबाव में हैं, क्योंकि सीरीज वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप के लिहाज से अहम है। दबाव के बीच भारतीय खिलाड़ी प्रैक्टिस में मस्ती करते नजर आए हैं। BCCI ने शुक्रवार को इसका वीडियो जारी किया। इस वीडियो में भारतीय विकेटकीपर ऋषभ पंत और तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह ने आपस में 100-100 डॉलर की शर्त लगाई है।

BCCI के वीडियो में पंत ने गेंदबाजी की और बुमराह को बैटिंग के लिए बुलाया और आउट भी किया। हालांकि, बुमराह ने आउट होते ही पंत के एक्शन पर सवाल उठा दिया। बता दें कि भारतीय टीम पर्थ टेस्ट से पहले WACA स्टेडियम में प्रैक्टिस कर रही है।

प्रैक्टिस में पंत-बुमराह की मजेदार बातचीत

- वीडियो की शुरुआत में पंत नेट्स में जसप्रीत बुमराह को गेंदबाजी करते दिखाई दिए। पंत कहते हैं- 'मैं आउट कर दूंगा, 100-100 डॉलर की शर्त लगी।' इस पर बुमराह कहते हैं- 'विकेट नहीं गिरने वाला। रहने दे।' इस पर पंत जवाब देते हैं कि मैंने फर्स्ट क्लास क्रिकेट में एक विकेट लिया है। इस पर बुमराह बोलते हैं कि मुबारक हो, उसे तुम सजाकर रखो, अब बस करो।

पंत पहली बॉल डालते हैं, जिसे बुमराह छोड़ देते हैं। यहां बॉल उठाते हुए पंत कहते हैं- 'रुक तुझे बाउंसर मारता हूं।' वे अगली बॉल शॉर्ट लेंथ पर डालते हैं और बुमराह उस बॉल पर पुल करते हैं। इस पर पंत कहते हैं कि यह आउट है। वे कोच मोर्ने मोर्केल से पूछते हैं कि आउट है ना। इस पर कोच असमंजस्य में आ जाते हैं। वहीं, बुमराह कहते हैं कि तेरा एक्शन अवैध है। मैं आउट नहीं हुआ। यहां पंत कहते हैं- नेट्स में तो आउट है।

CJI संजीव खन्ना ने बनाया नया रोस्टर रिस्टम

- केवल 3 बेंच सुनेंगी जनहित याचिकाएं
- CJI यूयू ललित के समय 16 बेंच को अलॉट होती थीं

नई दिल्ली. सुप्रीम कोर्ट के 51वें CJI संजीव खन्ना ने मामलों की सुनवाई को लेकर बनाए जाने वाले रोस्टर में बदलाव किया है। 11 नवंबर को पद संभालने के बाद CJI खन्ना ने फैसला लिया कि CJI और दो सीनियर जजों की अध्यक्षता वाली पहली तीन बेंच लेटर पिटीशन और जनहित याचिकाओं (PIL) की सुनवाई करेंगी।

केस अलॉटमेंट के नए रोस्टर के तहत सुप्रीम कोर्ट को लिखे लेटर पर आधारित याचिकाओं और PIL की सुनवाई CJI खन्ना, जस्टिस बीआर गवई और जस्टिस सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली बेंच करेंगी। पूर्व CJI यूयू ललित सभी 16 बेंच को जनहित याचिकाएं सुनवाई के लिए अलॉट कर रहे थे। हालांकि उनके उत्तराधिकारी रहे CJI चंद्रचूड़ ने इस प्रथा को बंद कर दिया था।

लेटर पिटीशन और PIL के अलावा, सबजेक्ट के आधार पर CJI की बेंच ज्यादातर मुद्दों पर सुनवाई करेगी। इसमें सामाजिक न्याय, राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति के चुनाव से जुड़े विवाद, सांसदों और विधायकों के चुनाव से जुड़े मामले, बंदी प्रत्यक्षीकरण और मध्यस्थता के मामले शामिल हैं।

जस्टिस कांत की अध्यक्षता वाली बेंच चुनाव से जुड़ी याचिकाओं पर भी सुनवाई करेगी।

जस्टिस जेबी पारदीवाला, सामान्य दीवानी मामलों के अलावा डायरेक्ट-इनडायरेक्ट टैक्स मामलों पर भी सुनवाई करेंगे।

सीनियर जज करेंगे 16 बेंच की अध्यक्षता

CJI समेत तीन सीनियर जजों के अलावा,बाकी 13 जज जस्टिस हृषिकेश रॉय, जस्टिस एएस ओका, जस्टिस विक्रम नाथ, जस्टिस जेके माहेश्वरी, जस्टिस बीवी नागरत्ना, जस्टिस सीटी रविकुमार, जस्टिस एमएम सुंदरेश, जस्टिस बेला एम त्रिवेदी, जस्टिस पीएस नरसिम्हम, जस्टिस सुधांशु धूलिया, जस्टिस जेबी पारदीवाला, जस्टिस दीपांकर दत्ता और जस्टिस पंकज मिथल हैं।

हादसे में 6 छात्रों की मौत पर अब तक कोई शिकायत दर्ज नहीं

देहरादून में सड़क दुर्घटना में मारे गए छह छात्रों के परिवारों ने अभी तक पुलिस में शिकायत दर्ज नहीं कराई है, जिसके कारण अधिकारी कोई कार्रवाई कर सकें। पुलिस ने बताया कि मंगलवार तड़के एक कार और ट्रक के बीच टक्कर में छह छात्रों की मौत हो गई थी और एक अन्य गंभीर रूप से घायल हो गया था। पुलिस संभावित कानूनी कदमों के बारे में विशेषज्ञों से राय ले रही है, क्योंकि शुरुआती जांच से पता चलता है कि ट्रक चालक की कोई गलती नहीं थी।

'मेरा विचार मरने तक नहीं बदलेगा'

- वीक में 70 घंटे काम वाली बात पर कायम नारायणमूर्ति
- देश को विकसित करना है तो आराम नहीं बल्कि कुछ त्याग करना होगा

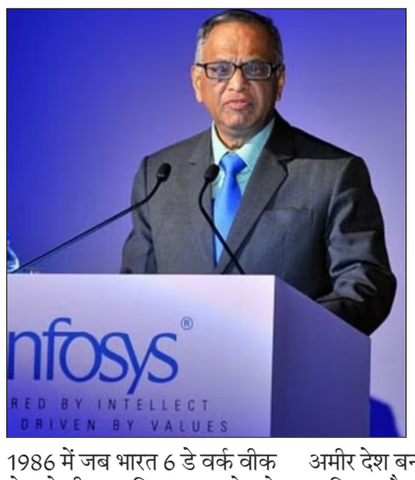

नई दिल्ली. आईटी सेक्टर के दिग्गज एनआर नारायणमूर्ति ने अपने उस बयान का बचाव किया है, जिसमें उन्होंने कहा था कि लोगों को सप्ताह में 70 घंटे काम करना चाहिए। उन्होंने कहा कि कठिन मेहनत ही भारत को विकास की राह पर ले जाएगा। सीएनबीसी ग्लोबल लीडरशिप समिट में उन्होंने कहा, 'माफ करना मेरा विचार बदला नहीं है। यह विचार अब मरने तक मेरे साथ रहेगा।' इन्फोसिस के फाउंडर ने कहा कि 1986 में जब भारत 6 डे वर्क वीक से 5 डे वीक पर शिफ्ट हुआ तो मुझे बहुत दुख हुआ था। उन्होंने कहा कि देश को विकसित करना है तो आराम नहीं बल्कि कुछ त्याग करना होगा।

उन्होंने इस दौरान पीएम नरेंद्र मोदी का भी जिक्र किया और कहा कि वह तो सप्ताह में 100 घंटे काम करते हैं। यदि वह इतनी मेहनत कर सकते हैं तो हम क्यों नहीं। हमें भी काम करना चाहिए और दिखाना चाहिए कि कैसे इस देश को आगे बढ़ाया जा सकता है। उन्होंने कहा कि दूसरे विश्व युद्ध के बाद जर्मनी और जापान ने कैसे ग्रोथ की और फिर से अमीर देश बन गए। यह हमें देखना चाहिए और इससे सीख लेनी चाहिए। उन्होंने कहा कि भारत को भी इस रास्ते पर चलना चाहिए और राष्ट्र का पुनर्निर्माण उसी से संभव होगा। हमें वैसे ही प्रयास करने होंगे, जैसे जर्मनी और जापान के लोगों ने प्रयास किए थे।

जेपी नड्डा पर नाराज हुए गुरुद्वारे के सेवादार

- भीड़ से कीर्तन में खलल का आरोप

ठाणे. महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के प्रचार में जुटे जेपी नड्डा शुक्रवार को ठाणे स्थित एक गुरुद्वारे में पहुंचे थे। इस दौरान उनके साथ बड़ी संख्या में नेता पहुंचे तो कीर्तन में खलल पड़ गया और इससे वहां मौजूद सेवादार भड़क गए। सेवादारों की नाराजगी के बीच ही जेपी नड्डा वहां से भाजपा नेताओं के साथ निकल गए। गुरुनानक जयंती पर वह तिनहट नाका इलाके में स्थित गुरुद्वारे में पहुंचे थे। नानक जयंती के चलते यहां बड़े पैमाने पर भीड़ थी और सेवादारों का कहना है कि जेपी नड्डा के साथ तमाम नेता पहुंचे थे। इसके चलते कीर्तन में खलल पहुंचा।

जेपी नड्डा के साथ ठाणे शह के विधायक और भाजपा कैंडिडेट संजय केलकर, ठाणे शहर के भाजपा अध्यक्ष संजय वाघुले, विधान परिषद के मेंबर निरंजन डावखरे समेत कई नेता मौजूद थे। महाराष्ट्र टाइम्स की रिपोर्ट के अनुसार गुरुद्वारे में दर्शन करने और मत्था टेकने के बाद वह भाजपा नेताओं के साथ तस्वीर के लिए खड़े हो गए थे। इस दौरान वहां बड़ी संख्या में लोग जुटे थे और कहा जा रहा है कि सेवादार इससे नाराज हो गए। उनका कहना था कि इसके चलते कीर्तन में बाधा पहुंची थी। कहा यह भी जा रहा है कि जेपी नड्डा के चलते कुछ श्रद्धालुओं को रोका गया था, इससे भी वहां मौजूद सेवादारों को आपत्ति हुई।

इस पर उन्होंने जेपी नड्डा समेत भाजपा नेताओं और पदाधिकारियों को बाहर जाने को कहा। सेवादारों के नाराज होते ही नड्डा और उनके साथ मौजूद सभी नेता, विधायक, पदाधिकारी गुरुद्वारा छोड़कर चले गए। भीड़ से निकलते हुए नड्डा का एक वीडियो सामने आया है। गुरुद्वारा से निकलने के बाद अब नड्डा दूसरे कार्यक्रम पहुंचे हैं और वहां लोगों को संबोधित कर रहे हैं। हालांकि ठाणे में सेवादारों की नाराजगी की चर्चा भी राजनीतिक हलकों में हो रही है। इस मामले में अब तक जेपी नड्डा या उनके ऑफिस से कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है।

संक्षेप...

चेंबूर में गैस रिसाव से घर में लगी आग... बुजुर्ग घायल

मुंबई: चेंबूर के वाशिनाका इलाके में बुधवार रात रसोई गैस सिलेंडर से रिसाव के कारण एक घर में आग लग गई। आग में एक बुजुर्ग गंभीर रूप से घायल हो गया और उसका शिव अस्पताल में इलाज चल रहा है. चेंबूर के वाशी नाका इलाके में म्हाडा कॉलोनी की बिल्डिंग नंबर 6 में बुधवार रात करीब 11 बजे रसोई गैस सिलेंडर से रिसाव के कारण आग लग गई। आग नफीर सैयद (60) के घर में लगी. आग से घर में रखा सामान जलकर नष्ट हो गया। स्थानीय निवासियों ने आग लगने की सूचना फायर ब्रिगेड को दी। दमकल की दो गाड़ियां और आरसीएफ पुलिस तुरंत मौके पर पहुंची। दमकल कर्मियों ने कुछ ही देर में आग पर काबू पा लिया। इस घर में फंसे नफीर सैयद को दमकल कर्मियों ने बाहर निकाला और सायन अस्पताल में भर्ती कराया.

जब अदानी के घर शरद पवार और अमित शाह की हुई बैठक

■ शरद पवार ने खुद किया खुलासा

मुंबई. महाराष्ट्र चुनाव में सभी पार्टियां एड़ी चोटी का जोर लगाए हुए है। इस बीच एनसीपी (शरद गुट) के प्रमुख शरद पवार ने एक बड़ा कबूलनामा किया है। शरद पवार ने स्वीकार किया है कि उद्योगपति गौतम अदाणी के घर पर भाजपा और एनसीपी नेताओं की बैठक हुई थी।

■ अजित पवार ने किया था दावा

दरअसल, अजित पवार ने हाल ही में दावा किया था कि

जब उन्होंने 2019 में भाजपा के साथ जाने का फैसला लिया तो भाजपा और एनसीपी नेताओं की बैठक हुई थी और गौतम अदाणी भी मौजूद थे। हालांकि, शरद पवार ने बैठक की बात मानी है, लेकिन उन्होंने कहा कि इसमें अदाणी मौजूद नहीं थे।

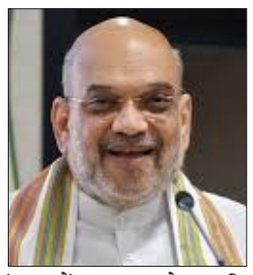

द न्यूज मिनट को दिए इंटरव्यू में शरद पवार ने कहा कि बैठक में अमित शाह और अजित पवार थे। ये बैठक अजित पवार के 2019 में भाजपा के साथ सरकार बनाने से पहले हुई थी। उस समय अजित पवार ने उपमुख्यमंत्री पद की शपथ ली थी, लेकिन सरकार कुछ घंटे ही चल सकी थी।

शरद पवार ने बताया क्यों हुए तैयार

शरद पवार ने बताया कि उनकी पार्टी के नेताओं ने कहा था कि भाजपा ने भरोसा दिया है कि अगर वो उनके साथ मिल जाएंगे तो केंद्रीय एजेंसियों के सारे केस खत्म हो जाएंगे। पवार ने कहा कि पहले उन्होंने मना कर दिया था, क्योंकि उन्हें भाजपा पर वादा निभाने का भरोसा नहीं था। इसके बाद नेताओं ने कहा कि हम बैठक करते हैं और उन्हीं के मुंह से सुन लेते हैं।

इसके बाद अदाणी के घर पर डिनर पार्टी में सभी नेता शामिल हुए और यहां अमित शाह भी थे। हालांकि, अदानी इस बैठक में बैठक में थे, लेकिन राजनीतिक चर्चा का हिस्सा नहीं थे।

उद्धव ठाकरे तो सबसे बड़ा गद्दार

बाला साहेब होते तो... शिंदे ने भरी हुंकार, बताया क्यों साथ हैं अजित पवार

मुंबई. महाराष्ट्र में विधानसभा चुनाव को लेकर सियासी हलचल तेज है. चुनाव प्रचार अब आखिरी चरण में है. 20 नवंबर को होने वाले मतदान से पहले सियासी मैदान में सभी दल पूरी ताकत झोंक रहे हैं. इस बीच आरोप-प्रत्यारोप के बाण भी तेजी से चलने लगे हैं. महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने उद्धव ठाकरे पर अब तक का सबसे बड़ा हमला किया है और उन्हें सबसे बड़ा गद्दार बताया है. न्यूज18 इंडिया को दिए एक्सक्लूसिव इंटरव्यू में एकनाथ शिंदे ने कहा कि अगर कोई सबसे बड़ा गद्दार है तो वह हैं उद्धव ठाकरे.

वोटिंग से ठीक पहले एक इंटरव्यू में एकनाथ शिंदे ने कहा, 'सबसे बड़ा गद्दार कोई है तो वो उद्धव ठाकरे है. आज अगर बाला साहेब होते तो मुझे चुनते... कार्यकर्ताओं को चुनते. उद्धव ठाकरे को सीएम बनना था इसलिए जब उन्हें मौका मिला तो वह पलट

गए. बाला साहेब बार बार नहीं बनतें. बाला साहेब की नीति कुछ और इनकी नीति कुछ और है. पीएम हमें फंड देते हैं इसलिए हमारे मार्गदर्शक दस साल में दस लाख करोड़ दिए. उद्धव केवल ढाई साल केंद्र से लड़ाई करते रहे.'

उद्धव पर जमकर बरसे शिंदे

उद्धव ठाकरे पर हमला करते हुए एकनाथ शिंदे ने आगे कहा, 'कार्यकर्ताओं को पीछे कर के कोई बड़ा नहीं होता. कोई कार्यकर्ताओं को आगे बढ़ता है तो उद्धव को अच्छा नहीं लगता. उद्धव ठाकरे अब बाला साहेब को हिंदू हृदय सम्राट नहीं कहते हैं. उन्हें वोट बैंक का डर है. जो वोट बैंक अभी उद्धव ठाकरे के पास है, असल में वो कांग्रेस का है. शिवसेना का वोट बैंक हमारे पास है. हमने साबित कर दिया है कि असली शिवसेना कौन है.

अजित पवार पर कही दिल की बात

वहीं, महायुति में अजित पवार को लेकर खटपट की खबरों पर उन्होंने अपनी चुप्पी तोड़ी. अजित पवार की एनसीपी को लेकर खबरों पर एकनाथ शिंदे ने कहा कि हमारे बीच में कोई लड़ाई नहीं है. लड़ाई उनमें (महाविकास अघाड़ी) है. अजीत दादा को सब मालूम है कि महा विकास आधाड़ी विकास विरोधी हैं. इसलिए वो हमारे साथ हैं. महाराष्ट्र में 20 नवंबर को एक ही चरण में वोटिंग है और 23 नवंबर को नतीजे आएंगे.

शिवसेना महायुति प्रत्याशी प्रताप सरनाईक ने जारी किया 15 साल में किए गए विकास कार्यों का ब्यौरा

उल्हास विकास संवाददाता

ठाणे. महायुति के उम्मीदवार प्रताप सरनाईक ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में 15 साल में किए गए विकास कार्यों के लेखा जोखा का खुलासा किया।सरनाईक ने 15 वर्षों में किये गये तमाम विकास कार्यों की जानकारी पत्रकारों से कहा।घोड़बंदर और लोकमान्य नगर में पानी की कमी की समस्या को हल करने के लिए बीएमसी से 50 एमएलडी पानी की आपूर्ति की मांग की गई थी। यह मांग आचार संहिता से पहले मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे द्वारा की गई थी। एकनाथजी शिंदे की पहल पर इसे स्वीकार किया गया।बीएमसी ने ठाणे मनपा को 50 एमएलडी पानी देने के

फैसले को मंजूरी दे दी है। जिसमें से 25 एमएलडी पानी केवल घोड़बंदर क्षेत्र के लिए आरक्षित रहेगा। सूर्या परियोजना से मीरा-भायंदर शहर को 218 एमएलडी पानी की आपूर्ति की जाएगी।विधायक सरनाईक ने कहा कि मैं बहुत संतुष्ट हूं कि मेरा वादा पूरा हो रहा है।

कापरबावड़ी से गायमुख तक 60 मीटर और गायमुख से फाउंटेन तक 30 मीटर सड़क को 60 मीटर तक चौड़ा करने की मंजूरी मिल गई है और काम शुरू हो गया है। प्रताप सरनाइक ने विश्वास व्यक्त किया कि इससे हमें घोड़बंदर रोड पर यातायात जाम की समस्या को हल करने में मदद मिलेगी। हांगकांग, मलेशिया और सिंगापुर की तरह ठाणे में भी हावरे सिटी के पास 120 एकड़ जमीन पर मुंबई के रानी बाग की तर्ज पर एक प्राणी संग्रहालय स्थापित किया जाएगा। पालतू जानवरों के लिए डिज़ाइन किया गया एक अद्यतन अंतिम संस्कार गृह। कुओं का संरक्षण, संगीतमय फव्वारा, उपवनव का सौंदर्यीकरण, कैशलेस अस्पताल आदि। यह मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के मार्गदर्शन में पूरा हुआ।इस विकास कार्य में सहयोग के लिए विधायक प्रताप सरनाईक ने मुख्यमंत्री शिंदे का आभार व्यक्त किया।विधायक सरनाइक ने बताया कि भविष्य में रोपवे, जल परिवहन, अधिक कैशलेस अस्पताल आदि जैसी विभिन्न परियोजनाएं लागू की जाएंगी।

राज ठाकरे ने जारी किया मनसे का घोषणापत्र

मुंबई. महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव को लेकर राजनीतिक पार्टियों ने अपने प्रचार अभियान के साथ-साथ घोषणापत्र भी जारी कर दिए हैं. उनका घोषणापत्र महायुति (बीजेपी, शिव सेना एकनाथ शिंदे गुट, एनसीपी अजित पवार गुट) और महा विकास अघाड़ी (कांग्रेस, शिव सेना एकनाथ शिंदे गुट, एनसीपी शरद पवार गुट) ने जारी किया है. इसके साथ ही राज ठाकरे की महाराष्ट्र नव निर्माण सेना (एमएनएस) की ओर से आज राज्य में घोषणापत्र लॉन्च किया गया है.

एमएनएस अध्यक्ष राज ठाकरे ने मुंबई में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव 2024 के लिए अपनी पार्टी का घोषणापत्र जारी किया है. एमएनएस ने अपने घोषणापत्र को चार हिस्सों में बांटा है.

महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना के अध्यक्ष राज ठाकरे ने विधानसभा चुनाव के लिए अपनी पार्टी के घोषणापत्र की घोषणा कर दी है.

मनसे के इस घोषणापत्र में बुनियादी जरूरतों से लेकर मराठी अस्मिता के मुद्दों पर प्रकाश डाला गया है. 'वी विल डू इट' शीर्षक वाली घोषणापत्र पुस्तिका का अनावरण एमएनएस (महाराष्ट्र चुनाव 2024) अध्यक्ष राज ठाकरे ने किया. साथ ही, उन्होंने 'वी डिड इट' पुस्तिका में अपने कार्यों की समीक्षा भी की है. राज ठाकरे ने चार हिस्सों में घोषणापत्र जारी किया है. इनमें पहले भाग में बुनियादी जरूरतें, जीवन की गुणवत्ता, पर्याप्त भोजन, पेयजल, कानून व्यवस्था, महिला सुरक्षा, खेल, बच्चों की देखभाल, प्राथमिक शिक्षा और रोजगार आदि का जिक्र है.

मनसे घोषणापत्र के दूसरे भाग में संचार, बिजली, जल नियोजन, पूरे महाराष्ट्र में शहरों की नेटवर्किंग, ठोस अपशिष्ट प्रबंधन, वानिकी, खुली जगह, पर्यावरण और जैव विविधता आदि की सुविधाएं प्रदान करने का उल्लेख है. उसके बाद तीसरे भाग में राज्य की औद्योगिक नीति, व्यापार नीति, प्रशासन और औद्योगिक नियंत्रण, कृषि, पर्यटन और व्यावसायिक शिक्षा को और मजबूत करने के बारे में जानकारी दी गई है और अंत में चौथे भाग में मराठी भाषा की मान्यता के बारे में जानकारी दी गई है. मराठी भाषा को बढ़ावा देना, दैनिक उपयोग में मराठी, डिजिटल दुनिया में वैश्विक व्यापार पर मराठी, राज्य के किलों की रक्षा और पारंपरिक खेल शामिल हैं.

संतोष शेट्टी के समर्थन में सभी समुदाय के लोग

भिवंडी. भिवंडी पूर्व सीट से महायुति शिवसेना प्रत्याशी संतोष एम शेट्टी के चुनाव प्रचार में सभी समुदाय की जुटती भारी भीड़ से कार्यकर्ताओं में भारी उत्साह एवं प्रचंड जीत का भरोसा दिखाई पड़ने लगा है. नागांव क्षेत्र स्थित रामनगर में रिपब्लिकन पार्टी (एकतावादी) प्रदेश अध्यक्ष पूर्व पार्षद विकास निकम, शरद धुले, गुड्डू बक्कन सरदार आदि की अगुवाई में निकली रैली में हजारों की संख्या में क्षेत्रीय नागरिक, महिलाओं,युवाओं की भीड़ जोरदार नारे लगा कर वोटरों से समर्थन मांगा. प्रचार रैली के संबोधन में रिपब्लिकन पार्टी (एकतावादी) प्रदेश अध्यक्ष एवं क्षेत्रीय पूर्व पार्षद विकास निकम सहित अन्य जनप्रतिनिधियों ने मतदाताओं को भरोसा देते हुए कहा कि, जनप्रिय मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने झोपड़पट्टी क्षेत्र के सर्वांगीण विकास का भरोसा दिया है. कल्याण, ठाणे की तरह एसआरए स्कीम द्वारा झोपड़पट्टी परिसर रामनगर, चाबिंद्रा, गायत्री नगर, शांतिनगर, गोबिंद नगर चव्हाण कालोनी सहित क्षेत्र की सभी झोपड़पट्टी एरिया स्थित खोलियों का पक्का निर्माण किया जाएगा. पावरलूम, दिहाड़ी गरीब मजदूरों को पक्का मकान, गरीब बच्चों की उत्कृष्ट शिक्षा के लिए हिंदी, उर्दू, मराठी, तेलगु के साथ ही अंग्रेजी माध्यम का मार्डन स्कूल, मुफ्त चिकित्सा सुविधा के लिए सुपर स्पेशलिटी अस्पताल, खेल ग्राउंड आदि की उत्तम सुविधा मुहैया कराई जाएगी. मनपा पार्षद कार्यकाल में पद्मानगर एरिया को साफ सुथरा, सुविधायुक्त बनाने वाले संतोष शेट्टी महायुति नेताओं, समर्थकों के साथ शांतिनगर, चव्हाण कालोनी, जैन कालोनी, अशोक नगर, गोपाल नगर,आम पाड़ा, अवचित पाड़ा आदि क्षेत्र में पदयात्रा, रैली कर वोटरों से अमूल्य मत देने की अपील की. महायुति समर्थको की टीम समूचे एरिया में डोर टू डोर जाकर शहर विकास की खातिर दमदार संतोष एम शेट्टी को जिताने के लिए 20 नवंबर को कमल का बटन दबाकर अमूल्य वोट देने की अपील कर रहे हैं.

महायुति को निर्णायक बहुमत मिलेगा : गडकरी

मुंबई. महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के बीच महायुति में मुख्यमंत्री चेहरे को लेकर केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी का बड़ा बयान आया है. उन्होंने कहा है कि यह चुनाव एकनाथ शिंदे, अजित पवार और देवेंद्र फडणवीस तीनों के नेतृत्व में हो रहा है और पार्टी हाईकमान के अलावा चुने गए प्रतिनिधि अपना नेता चुनेंगे. साथ ही पार्टी का शीर्ष नेतृत्व तय करेगा.

वहीं 'बंटेंगे तो कटेंगे' के नारे पर नितिन गडकरी ने कहा, ₹हमारा देश एक है, हम सभी भारतीय हैं. हमारी पूजा पद्धति अलग है, कोई मंदिर जाता है, कोई मस्जिद जाता है, कोई चर्च जाता है, लेकिन हम सभी भारतीय हैं. हम सभी को आतंकवाद और देश के दुश्मनों के खिलाफ एकजुट होना चाहिए, यही

इसकी भावना है. सभी भारतीयों को एकजुट होना चाहिए, यह उन्हें विभाजित करने का प्रयास नहीं है. लोग इसके अलग-अलग अर्थ निकाल रहे हैं.

इसके अलावा उन्होंने कहा कि बीजेपी, शिवसेना और एनसीपी का महायुति गठबंधन निश्चित रूप से महाराष्ट्र में जीत हासिल करने जा रहा है. हमें निश्चित रूप से निर्णायक बहुमत मिलेगा. मुझे विश्वास है कि हम जीतेंगे. मुझे लगता है कि हमें इस गठबंधन से लाभ होगा और हम जीतेंगे. कांग्रेस और शिवसेना (यूबीटी) या एनसीपी-एससीपी और शिवसेना (यूबीटी) जो एक साथ आए हैं, उनके आम विचार क्या हैं?₹

'हम मराठा आरक्षण के खिलाफ नहीं हैं'

इसके साथ एएनआई से बातचीत के दौरान नितिन गडकरी ने एमवीए के इस आरोप पर कि 'महाराष्ट्र में आने वाली परियोजनाओं को बाहर गुजरात ले जाया गया और महाराष्ट्र को नीचे धकेल दिया गया', इसपर कहा कि यह गलत है, निवेश करने वाला व्यक्ति खुद तय करता है कि उसे किस गांव, जिले और राज्य में निवेश करना है और वह वहां की सरकार की नीतियों को ध्यान में रखते हुए निवेश करता है.

उन्होंने कहा कि यह आरोप पूरी तरह से गलत है, यह बीजेपी को बदनाम करने के लिए है. मराठा आरक्षण पर उन्होंने कहा कि जब देवेंद्र फडणवीस मुख्यमंत्री थे, तब उन्होंने रास्ता निकालकर मदद करने की कोशिश की थी. हम मराठा आरक्षण के खिलाफ नहीं हैं.

सिगरेट को लेकर हमला करने वाला युवक गिरफ्तार

भिवंडी. भिवंडी में सिगरेट को लेकर दोस्त पर बुरी तरह हमला करने के आरोप में 18 वर्षीय एक युवक को गिरफ्तार किया गया है। एक अधिकारी ने गुरुवार को यह जानकारी दी। आरोपी की पहचान अयाज खलील मोमिन के रूप में हुई है। सिगरेट शेयर न करने पर युवक पर धारदार चाकू से हमला पुलिस ने बताया कि दोनों अन्य दोस्तों के साथ भिवंडी के एक होटल में खाना खा रहे थे।

अधिकारी के अनुसार, टकराव तब शुरू हुआ जब 30 वर्षीय असलम बाबू शेख द्वारा सिगरेट शेयर करने के लिए कहने पर मोमिन भड़क गया। अधिकारियों ने बताया, ₹बहस बढ़ गई और मोमिन ने कथित तौर पर धारदार हथियार निकालकर शेख पर हमला कर दिया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना के चश्मदीद शेख के एक दोस्त की शिकायत के बाद मोमिन को हत्या के प्रयास के आरोप में गिरफ्तार किया गया।₹

उन्होंने बताया, ₹शेख का फिलहाल नजदीकी अस्पताल में इलाज चल रहा है।₹ पुलिस ने बताया कि अक्टूबर की शुरुआत में महाराष्ट्र के लातूर शहर में झगड़े के दौरान एक मजदूर की उसके दोस्त ने गला रेतकर हत्या कर दी थी। पीड़ित हाजीमलंग सैय्यद और उसका दोस्त सुल्तान शहर के लोखंड गली इलाके में एक शराब की दुकान के बाहर थे, तभी बुधवार शाम करीब साढ़े सात बजे उनके बीच हाथापाई हो गई।

बाल दिवस पर विद्यार्थियों को प्रेरणा एवं सम्मान

मुलुंड. नये भारत में विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास में समर्पित नुतन सरस्वती विद्यालय में आज जीवन विज्ञान एवं बाल दिवस का कार्यक्रम आयोजित हुआ। इस विशेष समारोह में विद्यालय के छात्र छात्राओं को प्रेरित एवं सम्मानित किया गया। प्रिंसिपल माया पाठक की अध्यक्षता में आयोजित कार्यक्रम के मुख्य अतिथि 'स्पिक आऊट' न्यूज पेपर के संपादक उत्तमकुमार पीपाड़ा उपस्थित रहे।

कार्यक्रम का संचालन विद्यालय के वरिष्ठ अध्यापक सुरेन्द्र मिश्रा ने मुख्य अतिथि उत्तम कुमार पीपाड़ा का परिचय दिया।

बाल दिवस पर विद्यार्थियों को प्रेरणा प्रदान करते हुए बताया कि वर्तमान डिजिटल क्रांति के समय में प्रिंट मीडिया में आयें उतार चढ़ाव में भी खतरों से खेलते हुए निडरता से कार्य करने वाले प्रेस रिपोर्टरों का आज भी समाज में सम्मान किया जाता हैं।

विशेष अतिथि उत्तमकुमार पीपाड़ा ने पाठशाला में जीवन विज्ञान और अणुव्रत की जानकारी देते हुए कहा_ जीवन विज्ञान और अणुव्रत से विद्यार्थीयों का सर्वांगीण विकास होता है। विद्यार्थी अपने जीवन में अणुव्रत के छोटे छोटे नियम नैतिकता,सादगी, सौहार्द अपनाएं एवं ड्रग्स और अन्य नशें से बचें। परीक्षा में असफल होने से घबराएं नहीं, एक रास्ता बंद होता हैं तो दस नये रास्ते जीवन में सफलता केलिए आप को सदा प्रेरित करेंगे। प्रिंसिपल माया पाठक ने भी विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा विद्यार्थी सद मूल्यों को जीवन में संग्रहित करें। इस अवसर पर स्पिक आऊट न्यूज एवं मेगानेट की ओर से लेप टाप बेग गिफ्ट दिये गये। कार्यक्रम को सफल बनाने में टीचर श्रीमती मंजित कौर, प्रियंका पाटिल,अनुराधा तिवारी ने सहयोग किया। अवधेश तिवारी ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

STAFF REQUIRED
SINDHI MALE
Qualification B.COM PASSED For ACCOUNTANT
&
For SALESMAN Qualification- 10TH PASSED
CONTACT :
MR. RAJESH
Mob. No. : 9307579475

पिता कमल हासन के फेम से बचना चाहती थीं श्रुति

■ एक्ट्रेस बोलीं - कई बार पहचान छिपाई, बाद में समझी उनके बिना मैं कुछ नहीं

श्रुति हासन अक्सर अपनी पर्सनल और प्रोफेशनल लाइफ को लेकर सुर्खियों में बनी रहती हैं। हाल ही में एक इंटरव्यू में श्रुति हासन ने बताया कि फिल्मी परिवार में जन्म लेना अक्सर मुश्किल होता है, खासकर तब जब आपके पिता बड़े स्टार हों। एक्ट्रेस की मानें तो उन्होंने कई बार अपनी पहचान छिपाने की कोशिश भी की। हालांकि, बाद में उन्हें यह समझ में आ गया कि पिता कमल हासन के बिना वह खुद को नहीं सोच सकतीं।

मदन गौरी से बातचीत में श्रुति हासन ने कहा, 'लोग हमेशा मुझसे मेरे पिता के बारे में सवाल करते थे। ऐसा एक-दो बार नहीं, बल्कि कई बार होता था। मुझे लगता था कि मैं श्रुति हूं, मुझे अ प नी

पहचान चाहिए। लोग मुझे देखकर कहते थे यह तो कमल हासन की बेटी है। अगर कोई मुझसे पूछता, तो मैं कहती, नहीं, मेरे पिता डॉ. रामचंद्रन हैं, जो हमारे डेंटिस्ट का नाम था। मेरा नाम पूजा रामचंद्रन है। यह नाम मैंने खुद चुना था।'

श्रुति हासन ने कहा, 'यह सिर्फ इस कारण नहीं था कि मेरे पिता एक एक्टर या फिर फेमस इंसान हैं, बल्कि बचपन से ही मुझे यह महसूस होता था कि वह बाकी सभी से अलग हैं। मुझे और मेरी बहन को बहुत जिद्दी लोगों ने पाला था, और यह हमारी आदत बन गई। जब मेरे माता-पिता अलग हुए, तो मैं मुंबई चली गई। यहां श्रुति बनकर रहना मुझे कभी अच्छा नहीं लगा। जब हर जगह पापा के पोस्टर लगे हों, तो उनके नाम से अलग होना बहुत मुश्किल था। आज मुझे लगता है कि कमल हासन के बिना श्रुति का कोई अस्तित्व नहीं है।'

FOLLOW US @ulhasvikas ulhasvikas@gmail.com
Google Play
GET IT ON ULHAS VIKAS Google Play
Subscribe to our ULHAS VIKAS YouTube Channel
Subscribe
Late Shri. ASHOK U. BODHA 18-02-1945 to 19-12-2017
मुंबई, ठाणे, नवी मुंबई, पनवेल, रायगड़, उल्हासनगर, कल्याण एवं अंबरनाथ का
लोकप्रिय हिंदी दैनिक
उल्हास विकास
सब पे नजर, सबकी खबर
Since 1985
www.ulhasvikas.com
epaper.ulhasvikas.com
Chief Editor Hero Ashok Bodha
L.L.B., BMM, MA (PS)

यह वृत्तपत्र प्रकाशक, मुद्रक, संपादक **श्री हीरो अशोक बोधा** ने श्री गोपाल प्रेस, ब्लॉक नं. ए-99/593, वेनसी जगनानी मार्ग, इंदिरा गांधी गार्डन के पास, उल्हासनगर- 421001. जिल्हा ठाणे, महाराष्ट्र से छपवाकर ब्लॉक नं. ए-99/593, वेनसी जगनानी मार्ग, इंदिरा गांधी गार्डन के पास, उल्हासनगर- 421001. जिल्हा ठाणे, महाराष्ट्र से प्रकाशित किया. **आर.एन.आई. नं. 43638/85** Email: ulhasvikas@gmail.com संपादकीय-विज्ञापन फोन : 2709099